RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:78 ता. 18 सितम्बर 2022, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

शिवाजी महाराज पर घमासान

सीएम शिंदे के अनावरण के बाद एनसीपी ने दूध से नहलाकर किया 'शुद्धिकरण'

मुम्बई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने औरंगाबाद में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण किया था। जिसके विरोधस्वरूप एनसीपी की युवा विंग से जुड़े नेताओं ने प्रतिमा की सफाई की और दूध से नहलाया। नेताओं ने आरोप लगाया कि मूर्ति का अनावरण देशद्रोही मुख्यमंत्री ने किया है। इसलिए उन्होंने ऐसा किया। दरअसल, यह पूरा मामला निमंत्रण पत्र में विपक्षी नेताओं और छात्रसंगठनों की अनदेखी से जुड़ा है। आरोप है कि सिर्फ सत्ता पक्ष से जुड़े लोगों को निमंत्रण दिया गया जबकि, विपक्ष के बड़े नेताओं तक को नहीं बुलाया गया। जबकि, यह प्रतिमा बहुप्रतिक्षित प्रोजेक्ट है। ताजा घटनाक्रम औरंगाबाद में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के अनावरण से जुड़ी है। यह प्रतिमा डॉ. बालासाहेब आंबेडकर मराठावाड़ा विवि परिसर में लगाई गई है। प्रतिमा में छत्रपति घुड़सवारी कर रहे हैं। सीएम शिंदे ने 16 सिंतबर को प्रतिमा का अनावरण किया तो अगले ही दिन यानी आज एनसीपी की युवा विंग से जुड़े नेता कॉलेज आ धमके और प्रतिमा को पानी से धोने लगे। एनसीपी नेताओं ने कहा कि प्रतिमा का अनावरण देशद्रोही मुख्यमंत्री ने किया है।

इसलिए उन्होंने पहले दूध और फिर जल से प्रतिमा को नहलाया और शुद्धिकरण किया। दरअसल, मामला यह समझ में आ रहा है कि कल जब सीएम शिंदे ने प्रतिमा का अनारवण किया, समारोह के निमंत्रण पत्र में विपक्षी दल के नेता अंबादास दानवे और कई अन्य नेताओं के नाम शामिल नहीं होने से छात्र संघ आक्रामक हो गया था। प्रतिमा के अनावरण के निमंत्रण पत्र को लेकर भी विवाद है।

केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रावसाहेब दानवे, केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री डॉ. भागवत कराड, रोह्यो मंत्री संदीपन भुमरे, मंत्री अब्दुल सत्तार, उदय सामंत, अतुल सावे के नाम निमंत्रण में हैं लेकिन दूसरी ओर विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष अंबादास दानवे का नाम नहीं था। इसके अलावा छात्र संगठनों को भी निमंत्रण पत्र नहीं दिए जाने को लेकर विवाद खड़ा हुआ।

बरेली में सब्जी पर पेशाब कर बेच रहा ठेलेवाला गिरफ्तार

बरेली। यूपी के बरेली में एक ठेलेवाले को सब्जी पर पेशाब कर-के बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। ठेलेवाले का नाम शरीफ है और जिस थाना क्षेत्र वह इस घटना को अंजाम दे रहा था उस थाने का नाम है 'इज्जतनगर'। बताया जा रहा है कि ठेलेवाले को सब्जी पर पेशाब करके बेचते एक कार सवार ने रंगे हाथों पकड़ा। कार में बैठे-बैठे उसका वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। वीडियो में वो ठेले की नीचे रखी सब्जियों पर पेशाब करता दिख रहा है। मामले की जानकारी होते ही वहां भीड़ जुट गई। भीड़ ने आरोपी की जमकर पिटाई की और बाद में उसे वहां पहुंची पुलिस के हवाले कर दिया। थाना प्रेमनगर में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। इज्जतनगर में परतापुर चौधरी का रहने वाला शरीफ प्रेमनगर के जनकपुरी इलाके में सब्जी बेच रहा था। इज्जतनगर के दुर्गेश कुमार गुप्ता ने बताया कि दोपहर तीन बजे वह कैलाश हॉस्पिटल के सामने जनकपुरी से गुजर रहे थे। देखा कि एक सब्जी विक्रेता सब्जियों के ऊपर पेशाब कर रहा है। उन्होंने उसकी इस हरकत की वीडियो बनाई। इसके बाद उससे नाम पूछा। नाम बताने के बाद उसने कहा कि सब्जियां हिंदू आबादी में बेचने के लिए जा रहा है। इसकी जानकारी लोगों को लगी तो भीड़ जुट गई। उन्होंने आरोपी की पिटाई कर दी। दुर्गेश ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पुलिस आ गई। बाद में दुर्गेश, ओंकार सिंह, नरोत्तमदास संजीव अरोरा, जितेंद्र अग्रवाल, परविंदर, प्रवीण पचौरी, संजय शर्मा, ललित पाल, तुषार सक्सेना, राकेश भारती, राजकुमार गुप्ता आदि लोग थाने पहुंचे। पुलिस ने दुर्गेश कुमार गुप्ता की ओर से भावनाओं को आहत करने समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

हैदराबाद में अमित शाह की सुरक्षा में चूक

गृह मंत्री के काफिले के आगे टीआरएस नेता ने लगाई कार, फिर कहा- गलती से रुकी थी

हैदराबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सुरक्षा में चूक हुई है। शनिवार को हैदराबाद में उनके काफिले के आगे टीआरएस नेता ने अपनी कार लगा दी। हालांकि, गृह मंत्री के सुरक्षाकर्मियों ने इसे तुरंत हटवा दिया। ळफ्र नेता की पहचान गोसुला श्रीनिवास के रूप में हुई है। घटना के बाद श्रीनिवास ने कहा कि कार काफिले के आगे अचानक रुक गई थी। जब तक मैं कुछ समझ पाता, तब तक गृह मंत्री के सुरक्षाकर्मियों ने उसमें तोड़फोड़ की। मैं पुलिस अधिकारी से मिलूंगा और कार्रवाई करने के लिए कहूंगा। 13 दिन के भीतर अमित शाह की सुरक्षा में चूक का यह दूसरा मामला है। इससे पहले 4-5 सितंबर को महाराष्ट्र दौरे पर भी शाह की सुरक्षा में चूक हुई थी। शाह के मुंबई दौरे पर एक संदिग्ध उनके इर्द-गिर्द कई घंटों तक घूमता रहा था। जब अधिकारियों को शक हुआ तो उन्होंने इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने उसे 2-3 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। अमित शाह हैदराबाद मुक्ति दिवस में भाग लेने के लिए तेलंगाना दौरे पर हैं। उन्होंने पहले दिन सिकंदराबाद आर्मी मैदान में रैली को संबोधित किया। शाह ने टीआरएस पर निशाना साधते हुए कहा- भारत को तो आजादी 1947 में मिल गई थी, लेकिन हैदराबाद पर आज भी निजामों का राज है। 2019 में शाह के गृह मंत्री बनने के बाद उनकी सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई थी। शाह को जेड+ सिक्योरिटी के साथ-साथ ब्रीफकेस बैलिस्टिक शील्ड का भी कवर दिया गया था। ये एक पोर्टेबल बुलेट प्रूफ शील्ड या पोर्टेबल फोल्ड आउट बैलिस्टिक शील्ड होती है, जिसे हमले के दौरान खोला जा सकता है। जेड+ सिक्योरिटी के तहत शाह के साथ 24 से 30 कमांडो हर वक्त होते हैं।

पीएम मोदी ने देश के युवाओं को दिया नया मंत्र, कौशल विकास पर कही यह बात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ITI के कौशल दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पहली बार ITI के 9 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं का कौशल दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया है। 40 लाख से ज्यादा छात्र हमारे साथ वर्चुअल माध्यम से जुड़े हुए हैं। मैं आप सब को कौशल दीक्षांत समारोह की बहुत शुभकामना देता हूं। उन्होंने कहा कि हमारे देश में पहला क्लक 1950 में बना था। इसके बाद के सात दशकों में 10 हजार ITI's बने। हमारी सरकार के 8 वर्षों में देश में करीब-करीब 5 हजार नए ITI's बनाए गए हैं। बीते 8 वर्षों में ITI's में 4 लाख कौशल विकाससे ज्यादा नई सीटें भी जोड़ी गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को देश के युवाओं को ह्यस्किलिंग, रीस्किलिंग और अपस्किलिंग का मंत्र दिया और उन्हें बदलते समय के अनुरूप अपने कौशल को निरंतर उन्नत करने और नवाचार करने का आह्वान किया। पीएम मोदी ने साझा किया कि केंद्र भारत में कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए 5,000 से अधिक नए 'कौशल हब' खोलने जा रहा है।

सलीमुद्दीन-आसिफ की दरिंदगी से बिगड़ा सौहार्द

दुष्कर्म में सफल न हुए तो मार दी गांव की बेटी

लखीमपुर खीरी। जिला के एक गांव में पिछले सोमवार को दो मुस्लिम युवकों द्वारा एक युवती का दुष्कर्म में असफल होने के बाद उसे बुरी तरह पीटा था, जिसके बाद घायल युवती की शुक्रवार को मौत होने से गांव में सांप्रायिक तनाव फैल गया है। कहा जा रहा है कि युवती पर युवकों ने धारदार हथियार से हमला किया था। युवती की मौत के बाद पुलिस ने पुरानी एफआईआर में ही गैर-इरादतन हत्या की धारा जोड़ दी है। मामले में एक चौकी प्रभारी को भी निर्लबित कर दिया गया है। आरोप है कि उसने पीड़िता के परिजनों की शिकायत पर कार्रवाई नहीं की थी कि युवती का यौन उत्पीड़न किया गया है। खीरी पुलिस ने शनिवार को यहां आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "मामले में पुलिस की जांच और शुक्रवार को पीड़िता की मौत के बाद एफआईआर में आईपीसी की धारा 324 और 304 जोड़ दी गई है।" पुलिस ने बताया कि उन्हें प्राथमिकी से छेड़छाड़ का पता चला है। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में पीड़िता के परिजन एफआईआर से छेड़छाड़ का आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मामले की जांच अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह को दी गई है। पुलिस ने बताया, श्शनिवार को सोशल मीडिया पर हमारे संज्ञान में आया कि पीड़ित परिवार ने उनकी शिकायत से छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। इसके बाद संबंधित चौकी इंचार्च को निर्लबित कर दिया गया है। पीड़िता की मां और भाई ने शुक्रवार को आरोप लगाया था कि दोनों आरोपियों ने दुष्कर्म का प्रयास करने के बाद युवती पर धारदार हथियार से हमला किया। 12 सितंबर को घटना के बाद पीड़िता की मां की शिकायत पर दो युवकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पीड़िता के परिजनों और ग्रामीणों द्वारा प्रदर्शन करते हुए शीघ्र न्याय दिलाने की मांग करने पर गांव में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। एएसपी अरुण कुमार सिंह, डीएसपी गोला और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को शीघ्र न्याय दिलाने का आश्वासन दिया है। एक गांव निवासी 18 वर्षीय युवती 12 सितंबर 2022 को अपने घर में अकेली थी, जो दरवाजे पर बैठी थी। तभी गांव के ही सलीमुद्दीन और आसिफ आ गए और युवती के साथ अभद्रता करते हुए छेड़छाड़ करने लगे। युवती ने विरोध किया तो दोनों आरोपियों ने युवती की पिटाई कर दी। इसी दौरान युवती की मां भी आ गई तो आरोपियों ने उसकी भी पिटाई कर दी। इसके बाद पीड़ित मां ने भीरा थाने पहुंचकर तहरीर दी, जिस पर पुलिस ने मामूली धाराओं में एनसीआर दर्ज कर इतिश्री कर ली। उधर, घायल युवती को उसकी मां ने बिजुआ सीएचसी में भर्ती कराया। शुक्रवार को भी मां के साथ युवती दवा लेने बिजुआ सीएचसी गई थी। वहां से लौटने के बाद शाम करीब आठ बजे उसकी तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। इसके बाद घर में कोहराम मच गया।

सौतेले पिता और मामा समेत तीन लोगों ने किशोरी के साथ किया सामूहिक दुष्कर्म

संभल। यूपी के संभल में रिश्तों को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक पिता ने दो साथियों के साथ अपनी सौतेली बेटी के साथ दुष्कर्म किया। पिता ने किशोरी को डरा-धमकाकर कई बार उसके साथ संबंध बनाए। जब किशोरी प्रेगनेंट हुई तो गर्भपात करा दिया गया। वहीं पीड़िता ने अपने पिता समेत तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। संभल के नखासा थाना क्षेत्र में तलाकशुदा महिला ने कुछ साल पहले पीपली रहमापुर के रहने वाले एक शख्स से निकाह कर ली। महिला की पहले से एक सोलह साल की बेटी भी है। जब छह महीने पहले महिला रिश्तेदारी में गई हुई थी उसी दौरान बेटी के सौतेले पिता, रिश्ते के मामा और एक अन्य युवक ने किशोरी का गैंगरेप किया। उसके बाद सौतेले पिता ने किशोरी को डराया-धमकाया। इसके बाद भी उसने कई बार बेटी के साथ संबंध बनाए। जब किशोरी चार महीने की गर्भवती हुई तो इसकी जानकारी उसकी मां को हुई। जिसके बाद पीड़िता ने सौतेले बाप की सारी बात मां से बताई। इसके बाद मामले की सुनवाई पंचायत में की गई। जिसके बाद किशोरी का गर्भपात करा दिया गया। पति की हरकतों से नाराज होकर महिला ने थाने में शिकायत दर्ज कराई।

कांग्रेस ने 'प्रोजेक्ट चीता' पर ठोका दावा, कहा- मनमोहन सरकार ने दी थी प्रस्ताव को मंजूरी

नई दिल्ली। नामीबिया से भारत पहुंचने से पहले ही चीतों पर राजनीति शुरू हो गई है। शुक्रवार को कांग्रेस पार्टी ने दावा किया कि 'प्रोजेक्ट चीता' के प्रस्ताव को मनमोहन सिंह की सरकार के शासनकाल में स्वीकृति मिली थी। कांग्रेस पार्टी की ओर से यह दावा तब किया गया है जब एक दिन बाद शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मध्य प्रदेश के कुनो नेशनल पार्क में चीतों को छोड़ेंगे। शनिवार को पीएम मोदी का जन्मदिन भी है। पार्टी ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल के जरिए ट्वीट किया, 'प्रोजेक्ट चीता का प्रस्ताव 2008-09 में तैयार हुआ। मनमोहन सिंह जी की सरकार ने इसे स्वीकृति दी। अप्रैल 2010 में तत्कालीन वन एवं पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश जी अफ्रीका के चीता आउट रीच सेंटर गए।' आगे कहा, 2013 में सुप्रीम कोर्ट ने प्रोजेक्ट पर रोक लगाई, 2020 में रोक हटी। अब चीते आएंगे' प्रधानमंत्री कार्यालय ने गुरुवार को एक बयान जारी कर कहा कि कुनो राष्ट्रीय उद्यान में प्रधानमंत्री द्वारा जंगली चीतों को रहने के लिए मुक्त किया जाना भारत के वन्य जीवन और वन्य जीवों के आवास को पुनर्जीवित करने एवं इसमें विविधता लाने के उनके प्रयासों का हिस्सा है। बता दें कि भारत सरकार ने 1952 में देश में चीतों को विलुप्त करार दे दिया था। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले के साल वन में 1948 में आखिरी बार चीता देखा गया था। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने शुक्रवार को कहा कि अत्यधिक शिकार के कारण देश में विलुप्त हो चुके चीते को वापस लाकर भारत पारिस्थितिकी असंतुलन को दूर कर रहा है।

यूपी में अब 5 मिनट में होगा ई रेंट एग्रीमेंट, योगी सरकार ने किरायेदारों को दी बड़ी राहत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अब आम नागरिकों और व्यापारियों को मकान, दुकान, गोदाम जैसी जगह किराए पर लेने के लिए कहीं भटकना पड़ेगा। योगी सरकार इनकी सुविधा के लिए ई रेंट एग्रीमेंट के जरिए ऑनलाइन लीज डीड की शुरूआत कर रही है। इससे अब डीड राइटर की आवश्यक्ता नहीं रह जाएगी। किराएदार, सीधे मकान या बिल्डिंग के मालिक के साथ ऑनलाइन अनुबंध कर सकेंगे। इससे आम नागरिकों समेत व्यापारियों को राहत मिलेगी। उन्हें मौजूदा जटिल प्रक्रिया से नहीं गुजरना होगा, बल्कि ऑनलाइन महज 5 मिनट में वो काट्रैक्ट लेटर हासिल करने में सक्षम होंगे। गौरतलब है कि योगी सरकार ने प्रदेश में नागरिकों को कई तरह की सेवाएं ऑनलाइन देकर उनके जीवन को सुगम बनाने का प्रयास किया है। ई रेंट एग्रीमेंट उसी मुहिम का हिस्सा है। फिलहाल इसकी शुरूआत गौतम बुद्धनगर से हुई है और जल्द ही अन्य जिलों में यह व्यवस्था लागू हो जाएगी। रेंट एग्रीमेंट की मौजूदा व्यवस्था के तहत किराएदार को पहले डीड राइटर से संपर्क साधना पड़ता था। इसके बाद स्टांप पेपर खरीदने, उसकी नोटरी कराने के बाद दोनों पार्टियों के रेंट एग्रीमेंट पर सिग्नेचर होते थे। प्रस्तावित ऑनलाइन व्यवस्था में अब किराएदार को सिर्फ उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अनुमोदित एग्रीमेंट पोर्टल पर जाकर अपने नाम और मोबाइल के जरिए लॉगिन करके लीज डिटेल भरनी होगी। उदाहरण के तौर पर गौतम बुद्धनगर में नाम से साइट विकसित की गई है। इस पर प्रॉपर्टी की डिटेल भरने के बाद स्टांप ड्यूटी अदा करते ही लीज डीड की प्रिंट कॉपी मिल जाएगी। पोर्टल पर रेंट डिटेल भरते ही स्टांप ड्यूटी का ऑटोमैटिक कैलकुलेशन हो जाएगा। यह पूरी प्रक्रिया 5 मिनट से भी कम समय में पूरी हो जाएगी। यानी चाय ठंडी होने से पहले रेंट एग्रीमेंट मिल जाएगा। इसके लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं होगी, सिर्फ अपने लैपटॉप, डेस्कटॉप या मोबाइल पर यह काम संभव हो सकेगा। इससे न सिर्फ आम लोगों को राहत मिलेगी, बल्कि व्यापार करने में सुगमता होगी। यह व्यवस्था पहले से ज्यादा सुरक्षित एवं विश्वसनीय होगी। साथ ही कहीं से भी और कभी भी इसके जरिए एग्रीमेंट किया जा सकेगा।

सार समाचार

अमरावती को राजधानी बनाने के मामले में शीर्ष कोर्ट पहुंची आंध्रप्रदेश सरकार

नई दिल्ली । एतिहासिक शहर अमरावती को आंध्र प्रदेश की राजधानी बनाने के मामले में अब प्रदेश सरकार ने सर्वोच्च अदालत का रुख किया है। दरअसल हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुये आंध्रप्रदेश सरकार ने अमरावती को राजधानी बनाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। बता दें, हाईकोर्ट के फैसले के अनुसार अमरावती को आंध्रप्रदेश की एक मात्र राजधानी घोषित किया गया था। अब इसी फैसले को आंध्रप्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। दरअसल आंध्र प्रदेश सरकार ने हाईकोर्ट के 3 मार्च के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें अमरावती को राज्य की एकमात्र राजधानी घोषित किया गया था। सरकार अपनी संशोधित योजना के तहत आंध्र प्रदेश में तीन राजधानियां बनानी चाहती है। राज्य सरकार अमरावती, विशाखापत्तनम और कुरनूल के बीच राजधानी को विभाजित करना चाहती है। बता दें, हाईकोर्ट ने 3 मार्च को अपने आदेश में निर्देश दिया था कि राज्य सरकार को छह महीने के भीतर अमरावती को राजधानी शहर के रूप में विकसित करना चाहिए। हाईकोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि राज्य सरकार राजधानी बनाने के लिए अपनी जमीन देने वाले किसानों से संबंधित पुनर्गठित भूखंडों को तीन महीने के अंदर विकसित करे। इसमें संपर्क सड़क, पेयजल, प्रत्येक भूखंड के लिए बिजली कनेक्शन, जल निकासी आदि प्रदान होना चाहिए।

डब्ल्यूएचओ ने विश्व रोगी सुरक्षा दिवस पर असुरक्षित चिकित्सा पद्धतियों को खत्म करने पर दिया जोर

नई दिल्ली । वैश्विक स्वास्थ्य संस्था विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने शनिवार को विश्व रोगी सुरक्षा दिवस पर असुरक्षित चिकित्सकीय पद्धतियों और त्रुटियों को समाप्त करने पर ध्यान केंद्रित करने और स्वास्थ्य प्रणालियों में परिहार्य नुकसान को रोकने की आवश्यकता पर बल दिया। असुरक्षित चिकित्सकीय पद्धतियों और त्रुटियों के कारण कई लोग शारीरिक रूप से अक्षम हो जाते है या कई लोगों की मौत हो जाती है। इसके अलावा इनके कारण दुनिया भर में सालाना अनुमानित 4.2 करोड़ डॉलर का खर्च आता है। दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए डब्ल्यूएचओ की क्षेत्रीय निदेशक डॉ. पूनम खेत्रपाल सिंह ने कहा कि डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र सहित निम्न और मध्यम आय वाले देशों में असुरक्षित चिकित्सकीय सेवा के कारण प्रतिकूल प्रभाव के सालाना करीब 13.4 करोड़ मामले पाए जाते हैं और इसके परिणामस्वरूप लगभग 26 लाख लोगों की मौत होती है। उन्होंने एक बयान में कहा कि असुरक्षित चिकित्सकीय पद्धतियां और त्रुटियां विभिन्न चरणों में हो सकती हैं। इसका कारण कमजोर चिकित्सकीय प्रणाली या थकान, खराब पर्यावरणीय परिस्थितियां या कर्मचारियों की कमी जैसे मानवीय कारक हो सकते हैं। डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र ने 2015 के बाद से नकली और घटिया उत्पादों पर लगाम लगाने और रोगियों की सुरक्षा को बढ़ाने पर ध्यान देते हुए असुरक्षित चिकित्सकीय पद्धतियों और त्रुटियों को कम करने के प्रयास किए हैं। सिंह ने बयान में कहा कि बुजुर्ग रोगी देखभाल, गहन देखभाल, अत्यधिक विशिष्ट या शल्य चिकित्सा देखभाल और आपातकालीन चिकित्सा के दौरान चिकित्सकीय त्रुटि से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए क्षेत्र में विशेष रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए।

चारधाम जा रहे गुजरात के श्रद्धालुओं से भरी बस में आग लगी

नई दिल्ली । चारधाम जा रहे गुजरात के तीर्थ यात्रियों की बस में बहुत बड़ा हादसा होने से टल गया। गुजरात के 21 यात्रियों से भरी बस यमुनोत्री जा रही थी। कटापत्थर पुल के पास अचानक बस में शॉट सर्किट होने से आग लग गयी। बस धू -धूकर जलने लगी। बस से धुंआं निकलता देख सवारियों ने बस को रुकवाया और सभी ने बस से बाहर निकलकर जान बचाई। इस दौरान बस आग का गोला बन गयी। स्थानीय लोगों की सूचना पर दमकल विभाग व डाकपत्थर पुलिस ने पहुंचकर आग बुझाने का काम किया। जिससे बस का ढांचा तो बच गया। लेकिन बस में रखा यात्रियों का सारा सामान जलकर राख हो गया। शनिवार को गुजरात के 21 यात्रियों ने हरिद्वार से यमुनोत्री धाम के लिए बस बुक कराई। बस में सवार होकर सभी यात्री यमुनोत्री जा रहे थे। कटापत्थर के पास पुलिया पर जैसे ही बस पहुंची बस में धुआं निकलने लगा। बस में सवार यात्रियों ने जब बस से धुआं निकलते देखा तो चालक को बस रोकने को कहा। तभी देखा की बस धू धूकर जलने लगी। किसी तरह से यात्रियों ने बस से बाहर निकलकर अपनी जान को बचाया। देखते ही देखते बस आग का गोला बन गयी। स्थानीय लोगों व यात्रियों की सूचना पर डाकपत्थर चौकी इंचार्ज अर्जुन सिंह मय फोर्स व दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। दमकल विभाग व पुलिस कर्मियों ने तेजी से आग बुझाने का काम किया। करीब आधा घंटे में आग पर काबू पा लिया गया। लेकिन तब तक बस पूरी तरह से जलकर राख हो गयी थी। बस का सिर्फ ढांचा ही बच पाया। यात्री अपनी जान बचाकर भाग निकल पाये लेकिन सामान सभी का बस के अंदर ही रह गया। यात्रियों का बस में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। सामान जला लेकिन जान बच गयी यही सोचकर यात्री राहत की सांस लेते रहे। चौकी प्रभारी डाकपत्थर अर्जुनसिंह गुसांई ने कहा कि बस का ढांचा बचा है। बाकि पूरी बस जलकर राख हो गयी। कहा कि गनीमत यह रही कि सभी यात्री सुरक्षित बच गये। सामान जलकर राख हो गया है।

देश में लॉजिस्टिक लागत चीन-अमेरिका से ज्यादा इसमें कमी लाने की जरूरत: गडकरी

कोलकाता । केंद्र सरकार में सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि देश में लॉजिस्टिक लागत चीन, अमेरिका और यूरोपीय देशों से काफी अदिक है और इसमें कमी लाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इसके लिए जलमार्ग को यात्रियों और माल के परिवहन के लिए एक लोकप्रिय साधन बनाना होगा, इससे पेट्रोल और डीजल की आयात लागत कम होगी। अभी यह सालाना 16 लाख करोड़ रुपये है।

यंग इंडियंस और इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में गडकरी ने कहा, 'हमारी पहली प्राथमिकता जलमार्ग, दूसरी रेलवे, तीसरी सड़क और अंतिम हवाई मार्ग है। लॉजिस्टिक्स लागत में कमी आने से देश में रोजगार सृजन में मदद मिलेगी।' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत में लॉजिस्टिक्स लागत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की 16 फीसदी है और यह बहुत ज्यादा है। चीन में यह दस फीसदी और अमेरिका तथा यूरोप में आठ फीसदी है। उन्होंने कहा, 'रेल और सड़क परिवहन को जलमार्ग से जोड़ने की जरूरत है।' गडकरी ने कहा कि बायो-डीजल, बायो-सीएनजी जैसे टिकाऊ ईंधन का अधिक इस्तेमाल करना होगा। उन्होंने गन्ने और बांस की अधिक खेती पर जोर दिया जिससे कि एथनॉल और बायो-एथनॉल जैसे सस्ते ईंधन का उत्पादन हो सके। उन्होंने कहा कि इससे प्रदूषण की भी रोकथाम होगी।

राम नगरी की बढ़ेगी रौनक, लता मंगेशकर की याद में अयोध्या में लगेगी 14 टन की भव्य कांस्य वीणा

नई दिल्ली । राम नगरी अयोध्या की सुंदरता और भी बढ़ने वाली है। राम नगरी को विकसित करने में उत्तर प्रदेश की योगी सरकार लगातार जुटी हुई है। इसी कड़ी में अयोध्या में अब भारत रत्न और सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर की याद में भव्य वीणा लगाई जा रही है। यह वीणा अयोध्या के लता मंगेशकर चौराहे पर लगाई जाएगी। अयोध्या के मुख्य प्रवेश द्वार नया घाट को हाल में ही लता मंगेशकर चौराहा घोषित किया गया था। मिल रही जानकारी के मुताबिक वीणा की चौड़ाई 10 फीट की है जबकि वजन 14 टन है। वहीं, इसकी लंबाई लगभग 40 फीट है। इसे 70 कलाकारों ने तैयार किया है। वीणा पर माता सरस्वती और लक्ष्मी के साथ दो मोर भी बने हुए हैं। लता मंगेशकर चौराहे को अंतिम रूप दिया जा रहा है। पहले माना जा रहा था कि यहां लता मंगेशकर के मूर्ति स्थापित होगी। लेकिन अब यहां वीणा को स्थापित किया जाएगा। वीणा शुक्रवार शाम अयोध्या भी पहुंच गई है। इतना ही नहीं, इस चौराहे पर लाइट और साउंड के भी समन्वय की व्यवस्था की जा रही है ताकि लता मंगेशकर के द्वारा गाए गए राम भजन को श्रोताओं तक पहुंचाया जा सके। जानकारी के मुताबिक इस वीणा को नोएडा से अयोध्या पहुंचने में 3 दिन लगे हैं। जबकि से राम सुतार फाइन आर्ट लिमिटेड कंपनी की ओर से तैयार किया गया है। मिल रही जानकारी के मुताबिक 28 सितंबर को योगी आदित्यनाथ इस चौराहे का उद्घाटन करेंगे। इस चौराहे को विकसित करने में करीब 8 करोड रुपए की लागत आई है। वीणा पूरी तरह से कांस्य की बनी हुई है। कभी-कभी इसकी सफाई भी करनी पड़ेगी। इसकी आयु सैकड़ों साल हो सकती है। दावा किया जा रहा है कि वीणा बनाने से पहले वीणा वादकों से मुलाकात की गई थी। उसके बाद इसे बनाने का निर्णय लिया गया था। वीणा बनाने से पहले इसे समझा गया है। इस चौराहे पर लता मंगेशकर के भजन हर पल गूंजेंगे। 28 सितंबर को लता मंगेशकर का जन्मदिन है। यही कारण है कि इस बात की उम्मीद है कि योगी आदित्यनाथ इस चौराहे का उद्घाटन 28 सितंबर को कर सकते हैं। आपको बता दें कि लता मंगेशकर भारत की सुप्रसिद्ध गायिका रही है। इसी साल 6 फरवरी को उनका निधन हो गया था।

जेपी नड्डा का विपक्ष पर तंज, बोले- भाषण तो बहुत लोग देंगे कि हमने दलितों का भला किया, लेकिन...

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन हैं। इस अवसर पर भाजपा कई कार्यक्रम कर रही हैं। इसी कड़ी में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने नई दिल्ली के करोल बाग में बस्ती संपर्क अभियान का उद्घाटन किया। इस अवसर पर दिल्ली भाजपा के वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे। भाजपा अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि मुझे खुशी है कि आज मैं अनुसूचित जाति मोर्चा के बस्ती संपर्क अभियान के शुभारंभ के शुभ अवसर पर भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्म दिवस पर प्रारंभ हो रहा है। इसके लिए मैं मोर्चा के सभी आयोजकों को धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा है कि जनता ही हमारी ताकत है। जनता के लिए ही काम करो, जनता के साथ काम करो। क्योंकि बड़े-बड़े कार्यक्रम जनभागीदारी से ही संभव होते है।

नड्डा ने आगे कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि अनुसूचित जाति मोर्चा इस काम को बखूबी करेगा। पूरी ताकत के साथ करेगा। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं का ये काम है कि सरकार की योजनाओं को हर वर्ग तक पहुंचाएं, अंतिम सीढ़ी तक बैठे व्यक्तियों तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि 11 करोड़ जो शौचालय बने हैं इनमें 35त्न अनुसूचित जाति के लोग हैं, जिनको ये सुविधा मिली है। विपक्ष पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि भाषण तो बहुत लोग देंगे कि हमने दलितों का भला किया, लेकिन उन्होंने क्या भला किया? पता चलता है कि स्कीम में से कमीशन खाने के अलावा कुछ नहीं किया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ताओं ने लाखों स्थानों पर सेवा पखवाड़ा मनाने का निश्चय किया है। ये कार्यकर्ताओं की उच्चतम सोच है।

जेपी नड्डा ने यह भी कहा कि पीएम मोदी ने अपना जीवन देश सेवा, मानवता की सेवा, गरीब, समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को ताकत देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि एक रिकॉर्ड रक्तदान होगा (मेगा रक्तदान अभियान में) होगा। साथ ही साथ उन्होंने यह भी कहा कि पीएम ने 2025 तक भारत को टीबी से मुक्त करने का संकल्प लिया है, जबकि शेष दुनिया 2030 तक टीबी से मुक्त होने की बात कह रही है। इससे पहले जेपी नड्डा ने मोदी को जन्मदिन की बधाई देते हुए ट्वीट किया था कि विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता हमारे प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी को जन्मदिवस की सादर शुभकामनाएं। आपके नेतृत्व ने भारत के भाग्य व भविष्य को नई दिशा दी है। आजादी के अमृतकाल के पुनीत अवसर पर 'पंच प्रण' के माध्यम से आपने नवीन भारतीय चेतना को आकार दिया है।

भाजपा ने आम आदमी पार्टी को तोड़ने के लिए जारी रखा है 'आपरेशन लोटस', सिसोदिया का आरोप

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष अमानतुल्ला खान की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया देते हुए दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शनिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं को तोड़ने के लिए 'आपरेशन लोटस' को जारी रखे हुए है। अधिकारियों के मुताबिकओखला से 'आप' के विधायक खान को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने शुक्रवार को उन्हें दिल्ली वक्फ बोर्ड में हुई भर्तियों में कथित अनियमितता के आरोप में गिरफ्तार किया।

सिसोदिया ने ट्वीट किया, ''पहले इन्होंने सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार किया, पर कोर्ट में उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं है। इन्होंने मेरे घर पर रेड डाली। कुछ नहीं मिला। फिर कैलाश गहलोत के खिलाफ एक फर्जी जांच शुरू की, और अब अमानतुल्लाह खान को गिरफ्तार किया है। आप के हरेक नेता को तोड़ने के लिए ऑपरेशन लोटस जारी है।'' इससे पहले 'आप' नेताओं ने आरोप लगाया था कि भाजपा दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार को पदच्युत करने के लिए उसके विधायकों को खरीदने की कोशिश कर रही है और उन्हें 20-20 करोड़ रुपये की पेशकश कर रही है। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने यहां तक पिछले महीने विधानसभा में विश्वासमत भी पेश किया था ताकि साबित कर सके कि 'आप' के विधायक उनके साथ हैं। उन्होंने जोर देकर कहा था कि ''ऑपरेशन लोटस'' दिल्ली में असफल है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का हमला- वोट बैंक के कारण किसी ने नहीं की थी हैदराबाद मुक्ति दिवस मनाने की हिम्मत

हैदराबाद। (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हैदराबाद की मुक्ति का श्रेय शनिवार को सरदार वल्लभभाई पटेल को दिया और वोट बैंक की राजनीति एवं रजाकारों के ''भय'' के कारण ''मुक्ति दिवस'' मनाने के वादे से ''मुकर जाने'' वालों पर निशाना साधा। शाह ने 'हैदराबाद मुक्ति दिवस' पर यहां आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यदि सरदार पटेल नहीं होते, तो हैदराबाद को मुक्त कराने में कई और साल लग जाते। उन्होंने कहा कि पटेल जानते थे कि जब तक निजाम के रजाकारों को हरा नहीं दिया जाता, तब तक अखंड भारत का सपना साकार नहीं होगा।

इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे समेत कई नेता शामिल हुए। शाह ने कहा, ''इतने साल बाद, इस भूमि के लोगों की इच्छा थी कि 'हैदराबाद मुक्ति दिवस' को सरकार की भागीदारी से मनाया जाना चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य की बात की है कि 75 साल बाद भी यहां शासन करने वाले वोट बैंक की राजनीति के कारण 'हैदराबाद मुक्ति दिवस' मनाने का साहस नहीं जुटा पाए।''

उन्होंने कहा, ''कई लोगों ने चुनावों और विरोध प्रदर्शनों के दौरान मुक्ति दिवस मनाने का वादा किया, लेकिन जब वे सत्ता में आए, तो रजाकारों के भय से अपने वादों से मुकर गए'' उन्होंने 'हैदराबाद मुक्ति दिवस' मनाने के फैसले के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि जब मोदी ने यह दिन मनाने का फैसला किया, तो सभी ने इसका अनुसरण किया। गृह मंत्री ने कहा, ''वे जश्न मनाते हैं, लेकिन 'हैदराबाद मुक्ति दिवस' के रूप में नहीं, उनमें अब भी डर है। मैं उनसे कहना चाहता हूं, अपने दिल से डर निकाल दो और रजाकार इस देश के लिए फैसले नहीं ले सकते क्योंकि इसे 75 साल पहले आजादी मिल चुकी है।''

उन्होंने कहा, ''मैं मोदी को बधाई देना चाहता हूं क्योंकि उन्होंने कर्नाटक, महाराष्ट्र और तेलंगाना के लोगों की आकांक्षाओं को समझा और हैदराबाद मुक्ति दिवस मनाने का फैसला किया।'' हैदराबाद राज्य निजाम शासन के अधीन था और पुलिस ने भारत में इसका विलय कराने के लिए 'ऑपरेशन पोलो' नाम से अभियान चलाया था, जो 17 सितंबर, 1948 को समाप्त हुआ था।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव बोले- जर्मनी के बाद भारत में भी दौड़ेगी हाइड्रोजन चलित ट्रेन

नई दिल्ली । देश के रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि अगले स्वतंत्रता दिवस पर भारत की पहली हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन तैयार हो जाएगी। इन ट्रेनों का निर्माण और डिजाइन पूरी तरह से स्वदेशी होगा। मंत्री ने कहा कि 'भारत दुनिया की सर्वश्रेष्ठ ट्रेने बनाने में सक्षम है और अगला बड़ा काम 15 अगस्त 2023 को होगा जब हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेनें शुरू की जाएंगी।' हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन एक बार में 1000 किमी की दूरी तय करेगी। ट्रेन की टेस्टिंग 2018 से की जा रही थी लेकिन अब यह पूरी तरह से बनकर तैयार है। ट्रेन की अधिकतम रफ्तार 140 किमी/घंटा है। एल्स्टॉम के सीईओ हेनरी पॉपार्ट-लाफार्ज ने का कहना है कि सिर्फ 1 किलो हाइड्रोजन लगभग 4.5 किलो डीजल के समान है। ये ट्रेनें कोई प्रदूषण मुक्त हैं। प्रदूषण से त्रस्त भारत जैसे देश के लिए हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेनें गेम चेंजर बन सकती हैं। हाइड्रोजन ट्रेनों में पावर जनरेट करने के लिए उसकी छत पर ऑक्सीजन के साथ हाइड्रोजन स्टोर की जाती है। ट्रेनों के संचालन से सिर्फ भाप और पानी निकलता है। ट्रेन के परिचालन में जो भी हीट उत्पन्न होती है, उसका इस्तेमाल ट्रेन की हीटिंग और एयर कंडीशनिंग सिस्टम को बिजली देने में मदद के लिए किया जाता है। हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाले सभी रेल वाहन हाइड्रेल कहलाते हैं।

बयानों से मिल रहे संकेत, नेशनल कांफ्रेंस और भाजपा के बीच कुछ पक रहा

श्रीनगर (एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर में साल के अंत या फिर अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। अनुच्छेद-370 की समाप्ति के बाद से अब तक वहां चुनाव नहीं हुए हैं। इस बीच नेशनल कांफ्रेंस और भारतीय जनता पार्टी के गठबंधन को लेकर अटकलबाजियां होने लगी हैं। लोगों ने इसके लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला और बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष रविंदर रैना के ट्विटर पर हुए संवाद का सहारा लिया है। उमर ने जम्म-कश्मीर बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष के बयान पर प्रतिक्रिया देकर कहा कि ना तब राजनीतिक विरोधी एक-दूसरे के दुश्मन होतो हैं, ना ही राजनीति विभाजन और नफरत के लिए है। उनकी इन टिप्पणियों को ट्विटर पर लोगों ने हाथों हाथ लिया। एक यूजर ने इस नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) और भाजपा के बीच पिछले दरवाजे से समझौता करने का संकेत करार दिया है। बता दें कि जम्मू और कश्मीर भाजपा प्रमुख रैना ने उमर को केंद्र शासित प्रदेश के शीर्ष राजनीतिक नेताओं में एक रत्न करार दिया है। रैना ने कहा, जब मैं उमर के साथ विधानसभा का सदस्य बना तो हमने एक इंसान के रूप में देखा कि उमर जम्मू-कश्मीर के शीर्ष राजनीतिक नेताओं में एक रत्न हैं। इसकारण हम दोनों दोस्त भी हैं।' उन्होंने कहा कि जब वह कोरोना से संक्रमित हुए थे, तब उनका हाल जानने वालों में उमर अब्दुल्ला पहले व्यक्ति थे। उन्होंने फोन कर उनका हाल जाना था। रैना के ट्वीट का जवाब देकर उमर अब्दुल्ला ने कहा कि राजनीतिक रूप से असहमत होने पर राजनेताओं को व्यक्तिगत रूप से एक-दूसरे से नफरत करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, 'राजनीति विभाजन और नफरत के बारे में क्यों है? राजनीति यह कहां कहता है, कि राजनीतिक रूप से असहमत होने के लिए हमें व्यक्तिगत रूप से एक-दूसरे से नफरत करनी होगी? मेरे राजनीतिक विरोधी हैं, मेरे दुश्मन नहीं हैं।'

बेरोजगारी के चलते प्रधानमंत्री का जन्मदिन 'बेरोजगार दिवस' के रूप मना रहे हैं युवा : कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस ने दावा किया कि बेरोजगारी की भयावह स्थिति के कारण आज देश के युवा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन 'राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस' के रूप में मना रहे हैं, जो दुख की बात है। मुख्य विपक्षी दल ने प्रधानमंत्री को जन्मदिन की बधाई भी दी और उनके दीर्घायु होने की कामना की। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट किया, ''प्रधानमंत्री के खिलाफ हमारी वैचारिक और राजनीतिक लड़ाई जारी है। हमारे खिलाफ उनका निजी प्रतिशोध तेज हो हो गया है। इसके बावजूद हम अपने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 72वें जन्मदिवस की बधाई देते हैं।''

पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने संवाददाताओं से कहा, ''आज मोदी जी का 72वां जन्मदिवस है, उन्हें हमारी हार्दिक शुभकामनाएं, ईश्वर उनको स्वस्थ और दीर्घायु बनाएं।'' उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, '' भारत में महान प्रधानमंत्रियों के जन्मदिवस को प्रतीकात्मक रूप से मनाया जाता रहा है। बच्चों के प्रिय चाचा नेहरू के जन्मदिन को बाल दिवस , इंदिरा जी के जन्मदिन को कौमी एकता दिवस के रूप में, राजीव जी के जन्मदिन को, सद्भावना दिवस और अटल जी के जन्मदिन को सुशासन दिवस' के रूप में मनाया जाता है। आज देश के युवा राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस मना रहे हैं।''

सुप्रिया ने दावा किया कि भारत विश्व का सबसे युवा राष्ट्र है और आज कामकाजी उम्र के 60 प्रतिशत लोग या तो काम नहीं कर रहे हैं या काम की तलाश भी नहीं कर रहे। उन्होंने कहा, ''20-24 वर्ष की उम्र के 42 प्रतिशत युवा बेरोज़गार हैं। अगर यह स्थिति भयावह नहीं तो और क्या है? मोदी जी ना ही कोरोना और ना ही यूक्रेन-रूस के युद्ध के पीछे छुप सकते हैं।'' कांग्रेस प्रवक्ता के अनुसार, देश में कोविड के पहले ही 45 वर्षों में सबसे शीर्ष स्तर पर बेरोज़गारी पहुंच गयी थी और इस समय बेरोज़गारी एक साल में सबसे ऊपर 8.3 प्रतिशत के स्तर पर है। उन्होंने कहा, ''मोदी जी से आशा थी कि उनके वादे के मुताबिक 8 साल में 16 करोड़ नौकरियां मिल जानी चाहिए थीं।

लेकिन इन 8 वर्षों में नौकरी के आवेदन आए 22 करोड़ और रोज़गार मात्र 7 लाख लोगों को मिले। बेरोज़गारी की मार तो सबसे ज़्यादा महिलाओं पर पड़ी है। कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी 26 प्रतिशत से गिरकर 15 प्रतिशत पर चली गयी है।'' सुप्रिया ने सवाल किया, ''कहां हैं सालाना 2 करोड़ रोज़गार? आख़िर क्यों 60 लाख सरकारी पद केंद्र और राज्य सरकारों में ख़ाली पड़े हैं? सबसे ज़्यादा रोज़गार का सृजन करने वाले छोटे लघु मध्यम उद्योगों के लिए कोई नीति क्यों नहीं?

आख़िर लाख उकसाने और फटकारने के बावजूद निजी क्षेत्र निवेश क्यों नहीं कर रहा, क्या आपकी नीतियों में भरोसा नहीं है?'' उन्होंने यह भी पूछा, ''सारा ध्यान हम दो और हमारे दो पर ही केंद्रित रहेगा, तो बाक़ी रोज़गार कहां और कौन सृजित करेगा? युवाओं को स्थायी रोज़गार देने के बजाय 4साल के ठेके पर रखकर 23 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त करने का षड्यंत्र क्यों?'' कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा, ''मुझे दुख है और बहुत चिंता है कि आज देश के युवा राष्ट्रीय बेरोज़गार दिवस क्यों मना रहे हैं? अभी तो आपके पास लगभग 2 साल हैं - युवाओं को रोज़गार दीजिए - इतिहास इमारतों से नहीं - इरादों से बनता है।

उप्र में भारी बारिश के चलते मलबे में दबकर लखनऊ के नौ मजदूरों समेत 22 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश में भारी बारिश के कारण लखनऊ में मलबे के नीचे दबने से नौ मजदूरों समेत राज्य के विभिन्न हिस्सों में हुए वर्षा जनित हादसों में शुक्रवार को कुल 22 लोगों की मौत हो गयी। राज्य सरकार ने मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। राहत आयुक्त कार्यालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी ताजा जानकारी के अनुसार, जनपद लखनऊ में अतिवृष्टि से नौ, उन्नाव में पांच, फतेहपुर में तीन, झांसी में एक, रायबरेली में एक, प्रयागराज में दो तथा सीतापुर में एक व्यक्ति की मौत हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिवंगतों के परिजनों को अनुमन्य राहत राशि तत्काल वितरित किए जाने के निर्देश दिए हैं और शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। पुलिस और प्रशासन के अनुसार, भारी बारिश से चारदीवारी गिरने से जहां लखनऊ में नौ मजदूरों की मौत हुई है, वहीं उन्नाव जिले में कच्ची दीवार और झोपड़ी ढहने की तीन घटनाओं में तीन बच्चों सहित पांच लोगों की मौत हो गई। जबकि रायबरेली में पक्का मकान से गिरने से तीन वर्षीय बच्चे की मौत हो गयी और उसके माता-पिता, भाई-बहन घायल हो गये। वहीं प्रयागराज जिले में एक कच्चे मकान की दीवार गिरने से उसके मलबे में दबकर दो मासूम बच्चों की मृत्यु हो गई। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि लखनऊ के दिलकुशा इलाके में बृहस्पिवार को रात भर हुई भारी बारिश के कारण 'आर्मी एन्क्लेव' की चारदीवारी गिरने से झांसी जिले के रहने वाले कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि हादसे में दो लोग घायल हुए हैं। संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) पीयूष मोर्डिया ने बताया कि चाहरदीवारी ढहने से मरने वाले मजदूर दीवार के पास झोपड़ा बनाकर उसमें रह रहे थे। लखनऊ के जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि रातभर हुई बारिश के बाद एक निर्माणाधीन दीवार गिरने से नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। वहीं, संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) ने बताया कि मृतकों में से छह की शिनाख्त मानकुंवर, धर्मेंद्र, नैना, प्रदीप, रेशमा और चंदा के रूप में की गई है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने ट्वीट कर घटना पर दुख जताते हुए कहा है, 'मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद लखनऊ स्थित एक कॉलोनी में दीवार गिरने के हादसे में हुई जनहानि पर गहरा दुख जताया है।मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।' ट्वीट के मुताबिक, योगी ने घटना में मारे गए लोगों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की आर्थिक मदद प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, राजभवन ने एक बयान जारी कर कहा कि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने भी घटना में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया है। केंद्रीय रक्षा मंत्री और स्थानीय सांसद राजनाथ सिंह ने ट्वीट किया, 'लखनऊ में एक दीवार गिरने से कई लोगों की मौत की खबर सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ। जिन लोगों को इस हादसे में अपनी जान गंवानी पड़ी है, उनके परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। इसके साथ ही मैं इस दुर्घटना में घायल सभी लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।' उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने दिलकुशा के पीड़ितों से अस्पताल पहुंच कर मुलाक़ात की। पाठक ने ट्वीट किया, 'आज लखनऊ कैंट विधानसभा के दिलकुशा में दीवार गिरने से हुई दुर्घटना में घायल हुए लोगों से सिविल अस्पताल पहुंचकर उनके स्वास्थ्य का कुशलक्षेम जाना एवं उच्च कोटि की स्वास्थ्य सुविधाओं से इलाज करने व हर संभव मदद हेतु डॉक्टर्स को निर्देशित किया।' वहीं, उन्नाव जिले में भारी बारिश के कारण कच्ची दीवार ढहने की तीन घटनाओं में तीन बच्चों सहित पांच लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय थाना पुलिस ने मृतकों का पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। उपजिलाधिकारी नरेंद्र सिंह ने बताया कि पुरवा तहसील के असोहा विकासखंड के कांथा गांव में बृहस्पतिवार रात भारी बारिश के कारण दीवार गिरने से अंकित (20), उन्नति (6) और अंकुश (4) की मौत हो गई।

सीरिया के दमिश्क अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इजराइल का हमला, पांच की मौत

दमिश्क (सीरिया)। सीरिया की राजधानी दमिश्क के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और कुछ अन्य इलाकों पर हुए इजराइली हमले में पांच सैनिकों की मौत हो गई है। सीरिया के सरकारी मीडिया ने शनिवार को यह जानकारी दी। सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी 'सना' ने बताया कि यह हमला देर रात करीब 12 बजकर 45 मिनट पर हुआ। इस हमले में संपत्ति को भी नुकसान हुआ है, जिसकी विस्तृत जानकारी नहीं दी गयी है। इजराइल ने सीधे तौर पर इन हमलों की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन ये हमले ऐसे समय में हुए हैं जब इजराइल और ईरान के बीच एक प्रकार का संघर्ष चल रहा है। दमिश्क हवाई अड्डे के अलावा एलेप्पो में स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को निशाना बनाया गया। इस बात की आशंका है कि इन हवाई अड्डों के जरिए सीरिया में राष्ट्रपति बशर अल असद और लेबनान के आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह की मदद के लिए हथियारों की आपूर्ति की जा सकती है।

तीसरे शिया इमाम हुसैन की शहादत की बरसी पर लाखों तीर्थयात्री कर्बला पहुंचे

बगदाद । इराक के पवित्र शहर कर्बला में तीसरे शिया इमाम हुसैन और उनके परिवार के सदस्यों और उनके साथियों की शहादत की बरसी पर लाखों तीर्थयात्री पहुंच रहे हैं। काले कपड़े पहने तीर्थयात्री कर्बला में इमाम हुसैन के पवित्र तीर्थस्थल पर जुटे। इस दौरान इमाम की भीषण हत्या के लिए यजीद और उसकी सेना की निंदा की गई। पुरुषों, महिलाओं और बच्चों ने लाखों की संख्या में हुसैन के बलिदान को याद करने पहुंचे। पिछले दो बरस से यात्रा कोरोना को लेकर काफी प्रभावित हुई थी। इस दौरान सीमित संख्या में तीर्थयात्री जुटते थे। भारी बारिश के बावजूद मार्च करने वालों ने कई किलोमीटर तक की दूरी तय कर सुलेजा में अपनी पैदल यात्रा समाप्त की। यहां इमाम हुसैन उनके घर के सदस्यों और उनके वफादार साथियों के लिए प्रार्थना की गई जो कर्बला की लड़ाई में शहीद हुए थे। कहा जाता है कि हुसैन के काफिले में 72 लोग थे, जबकि यजीद के पास 8 हजार से अधिक सैनिक थे। लेकिन फिर भी उन लोगों ने यजीद की सेना का जमकर मुकाबला किया था। हालांकि युद्ध करते हुसैन के सारे 72 सैनिक मारे गए थे। केवल हुसैन जिंदा बच गए थे।

एमनेस्टी का कहना है कि तालिबान ने अल्पसंख्यक शिया परिवार के छह सदस्यों को मार डाला

वाशिंगटन। एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार समूह ने अफगानिस्तान में अल्पसंख्यक शिया परिवार के उन छह सदस्यों के बारे में एक भयावह रिपोर्ट शुक्रवार को जारी की, जिनकी इस गर्मी की शुरुआत में तालिबान ने हत्या कर दी थी। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने अफगानिस्तान के नए शासकों पर मानवाधिकारों की घोर अवहेलना और अल्पसंख्यकों के दुरुपयोग का आरोप लगाया। समूह ने कहा कि मारे गए लोगों में 12 साल का एक बच्चा भी शामिल है। उसने कहा कि ये हत्याएं 26 जून को घौर प्रांत में हुईं, जो इस बात का सबूत है कि कैसे तालिबान एक साल पहले सत्ता पर कब्जा करने के बाद से एक समावेशी सरकार स्थापित करने में विफल रहा है। एमनेस्टी के अनुसार, 26 जून की रात को तालिबान बलों ने घौर में एक हजारा समुदाय और एक पूर्व सुरक्षा अधिकारी मोहम्मद मुरादी के घर पर हमला किया। मुरादी ने एक स्थानीय मिलिशिया का भी नेतृत्व किया था जिसने 2020 और 2021 में तालिबान से लड़ाई लड़ी थी। तालिबान के कब्जा करने के बाद, मुरादी ने ईरान भागने का प्रयास किया था, लेकिन वह असफल रहा और हाल में घौर में लाल-वा सरजंगल जिले में घर लौट आया जहां वह छिपा हुआ था। एमनेस्टी की रिपोर्ट में प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से कहा गया है कि तालिबान का हमला रात में शुरू हुआ, जिसमें मुरादी के घर पर रॉकेट संचालित हथगोले फेंके गए, जिसमें उनकी 22 वर्षीय बेटी ताज गुल मुरादी की तुरंत मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार मुरादी खुद और दो अन्य बच्चे, एक बेटा और एक बेटी (12) शुरू में घायल हो गए थे और इसके बाद बेटी की मौत हो गई थी। इसके अनुसार घायल मुरादी ने तालिबान के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था, लेकिन उसे घर से बाहर खींच कर मार डाला गया। एमनेस्टी ने कहा कि तीन अन्य लोग - मुरादी के भतीजे, गुलाम हैदर मोहम्मदी, और दो अन्य रिश्तेदार भी मारे गए थे। एमनेस्टी ने कहा कि उसकी रिपोर्ट आठ अलग-अलग साक्षात्कारों और हत्याओं के बाद ली गई तस्वीरों और वीडियो फुटेज के विश्लेषण पर आधारित है। एमनेस्टी के महासचिव एग्नेस कैलामार्ड ने कहा, ''तालिबान को ये हत्याएं बंद कर सभी अफगानों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।'' एमनेस्टी की रिपोर्ट पर तालिबान से तत्काल प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी है।

ईरान में हिजाब के खिलाफ आवाज उठाने वाली महिला को जान देकर चुकानी पड़ी कीमत

दुबई । ईरान में एक महिला को हिजाब नियमों के खिलाफ बोलना इतना महंगा पड़ा कि उसे इसकी कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। कुछ माह पहले एक ईरानी मानवाधिकार महिला कार्यकर्ता ने सार्वजनिक रूप से हिजाब हटाने का आग्रह किया था, जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस हिरासत में लिए जाने के बाद महिला की स्थिति बिगड़ी और वह कोमा में चली गई, इसके बाद उसकी मौत हो गई। इस घटना को लेकर शुक्रवार को सैकड़ों लोगों ने सड़कों पर उतरकर और सोशल मीडिया पर अपना विरोध दर्ज कराया। इस घटना के संबंध में सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में महिलाओं पर पुलिस का अत्याचार देखा जा सकता है। वीडियो में उन महिलाओं के खिलाफ पुलिस इकाइयों ने सख्त कार्रवाई देखी जा सकती है, जिन्होंने अपना हिजाब हटा दिया था। राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी के हस्तक्षेप के बाद अधिकारियों ने महसा अमिनी की मौत की जांच शुरू की। हालांकि इस मामले से पुलिस ने अपना पल्ला झाड़ लिया है और महिला के साथ मारपीट करने से इनकार किया है। पुलिस ने कहा कि 22 वर्षीय महिला को जब हिरासत में लिया गया, तब उसकी तबीयत खराब हो गई। पुलिस ने कहा कि महिला के साथ मारपीट नहीं की गई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में महिला एक पुलिस अधिकारी से बात करने के लिए उठते ही गिर जाती है। पुलिस ने पहले बताया था कि महिला को समझाने-बुझाने के लिए हिरासत में लिया गया है। मृतक महिला के रिश्तेदारों ने महिला को दिल की कोई बीमारी होने से भी इनकार किया है, ऐसा कहा जा रहा था कि महिला को दिल से संबंधित बीमारी थी। इस घटना के बाद एमनेस्टी इंटरनेशनल ने ट्वीट किया, हिरासत में प्रताड़ना और अन्य दुर्व्यवहार के आरोपों की जांच होनी चाहिए। सभी लोगों और जिम्मेदार अधिकारियों को जांच में सहयोग करना चाहिए।

चीन के शीर्ष अधिकारी ने की दक्षिण कोरिया के साथ तकनीक क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की अपील

- चीन तकनीक के क्षेत्र में सहयोग और आपूर्ति को निर्बाध तरीके से बनाए रखने का पक्षधर है

बीजिंग । चीन की विधायिका के प्रमुख ने दक्षिण कोरिया के साथ उन्नत तकनीक तथा आपूर्ति श्रृंखला में सहयोग बढ़ाने की अपील की है। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी में तीसरे क्रम में आने वाले ली झांशु ने दक्षिण कोरिया के अधिकारियों के साथ मुलाकात की। झांशु को चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग का करीबी समझा जाता है और वह 2015 के बाद से दक्षिण कोरिया की यात्रा करने वाले चीन के पहले शीर्ष अधिकारी हैं। झांशु की यात्रा को पड़ोसी देशों के साथ संबंध मजबूत करने के प्रयासों के तौर पर देखा जा रहा है। यह यात्रा अगले महीने होने वाली कम्युनिस्ट पार्टी की बैठक से ठीक पहले हुई, जिसमें शी को तीसरी बार पांच वर्ष के लिए नेता चुना जाना है। चीन की नेशनल पीपुल्स कांग्रेस की स्थायी समिति के अध्यक्ष झांशु ने अपने दक्षिण कोरियाई समकक्ष के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि चीन तकनीक के क्षेत्र में सहयोग और आपूर्ति तथा औद्योगिक श्रृंखला को निर्बाध तरीके से बनाए रखने का पक्षधर है।

हालांकि उन्होंने अपने बयान पर विस्तार से कुछ नहीं कहा लेकिन माना जा रहा है कि उनका बयान चीन की उन चिंताओं को उजागर करता है कि अमेरिका के साथ उसकी बढ़ती प्रतिद्वंद्विता आपूर्ति श्रृंखला को बाधित कर सकती है।अमेरिका की कुछ कंपनियों ने चीन में उत्पादन समाप्त कर दिया है। इसके अलावा चीन अमेरिका नीत 'सेमीकंडक्टर गठजोड़' में दक्षिण कोरिया की संभावित भागीदारी का भी विरोध करता है। इस गठजोड़ में ताइवान और जापान शामिल हैं। झांशु की शी से निकटता को देखते हुए यह समझा जा रहा है कि उनके बयान शी और उनके करीबियों के ही विचारों का प्रतिबिंब हैं। उन्होंने दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति यून सुक येओल से मुलाकात के दौरान रूस पर लगाए गए अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों की निंदा की थी।

समरकंद में शंघाई सहयोग सम्मेलन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रुसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन और मंगोलियाई राष्ट्रपति उकहना खुरेलसुख।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने किया खुलासा, रूस देगा पाकिस्तान को गेंहू और गैस

इस्लामाबाद। ईंधन और जिसों की बढ़ती कीमतों के बीच रूस ने पाकिस्तान को गेहूं और गैस देने की पेशकश की है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने शनिवार को यह कहा। दो पहले, उज्बेकिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ और रूस के राष्ट्रपति व्लामिदीर पुतिन के बीच मुलाकात हुई थी। इसके बाद इस्लामाबाद में एक संवाददाता सम्मेलन में आसिफ ने कहा कि रूस ने कहा है कि वह पाकिस्तान को गेहूं दे सकता है। पाकिस्तान में भारी बारिश और बाढ़ की वजह से फसल तबाह हो गई है। आसिफ ने कहा, ''उन्होंने (रूस) कहा कि वे हमें गैस दे सकते हैं। रूस ने कहा कि मध्य एशियाई देशों में उनकी गैस पाइपलाइन है और अफगानिस्तान के रास्ते इनका विस्तार पाकिस्तान तक किया जा सकता है।'' उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति पुतिन ने रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को लेकर संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान के रूख की सराहना की।

भारत-चीन की टिप्पणी से साफ हो गया यूक्रेन युद्ध को लेकर पूरी दुनिया फिक्रमंद : ब्लिंकन

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन ने कहा है कि भारत और चीन के नेताओं द्वारा यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के समक्ष अपनी चिंताएं प्रकट करना स्पष्ट करता है कि पूरी दुनिया यूक्रेन में रूस की आक्रामक कार्रवाई के प्रभावों को लेकर फिक्रमंद है।

उल्लेखनीय है कि समरकंद में एससीओ बैठक से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ बैठक में यूक्रेन में संघर्ष को जल्द समाप्त करने पर जोर देते हुए कहा कि आज का युग युद्ध का नहीं है। फरवरी में यूक्रेन में युद्ध शुरू होने के बाद से दोनों नेताओं के बीच पहली बार आमने-सामने मुलाकात हुई है। समरकंद में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन के इतर एक द्विपक्षीय बैठक में मोदी ने यूक्रेन में अस्थिरता को जल्द से जल्द समाप्त करने का आह्वान करते हुए लोकतंत्र, संवाद और कूटनीति के महत्व को रेखांकित किया।

ब्लिंकन ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा आप चीन, भारत से जो सुन रहे हैं, वह यूक्रेन पर रूस के आक्रमण का न केवल यूक्रेन के लोगों बल्कि पूरी धरती के लोगों और देशों पर असर को लेकर विश्व की चिंता दिखाता है। उन्होंने कहा, यह केवल यूक्रेन और उसके लोगों पर आक्रमण नहीं है बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय संबंधों के सिद्धांतों पर आक्रमण है, जो शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने में मदद करते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री यूक्रेन में युद्ध को लेकर चीन तथा भारत के नेताओं द्वारा सीधे पुतिन के समक्ष चिंता व्यक्त करने के एक सवाल का जवाब दे रहे थे।

ब्लिंकन ने कहा हमने हाल के महीनों में खाद्य सुरक्षा की चुनौतियों से निपटने पर काफी ध्यान केंद्रित किया और काफी वक्त लगाया है। ये चुनौतियां रूस के आक्रमण से बहुत ज्यादा बढ़ गई हैं। हम पहले ही कोविड से ग्रस्त रहे हैं, हमने जलवायु परिवर्तन की मार झेली, जिसका खाद्य सुरक्षा पर गहरा असर पड़ा है। इस युद्ध के कारण अब हमारे 20 करोड़ से अधिक लोग खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे हैं उन्होंने कहा, दुनियाभर के नेता यह महसूस कर रहे हैं। इसलिए मुझे लगता है कि आप जो देख रहे हैं वह इस बात की अभिव्यक्ति है यह पूरी धरती के लोगों के हितों के खिलाफ हमला है और मुझे लगता है कि यह रूस पर युद्ध खत्म करने का दबाव बढ़ाता है।

पाकिस्तान में चारों ओर सैलाब ही सैलाब; जलवायु परिवर्तन पर कार्रवाई जरूरी : शरीफ

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

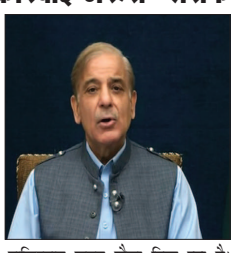

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शुक्रवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के नेताओं से कहा कि उनके देश में आई अभूतपूर्व बाढ़ के बाद चारों ओर पानी ही पानी नजर आ रहा है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए भी तत्काल कार्रवाई की जरूरत बताई। शरीफ उज्बेकिस्तान के शहर समरकंद में एससीओ की राष्ट्र प्रमुखों की परिषद (सीएचएस) के शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे जहां उन्होंने पाकिस्तान में जलवायु परिवर्तन के कारण बाढ़ आने का उल्लेख किया। पाकिस्तान में इस वर्ष 14 जून से बाढ़ के कारण 1,500 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और 12,758लोग घायल हुए हैं।

भयावह बाढ़ में लगभग एक तिहाई पाकिस्तान डूब गया है। शरीफ ने कहा, ''पाकिस्तान में आई भयावह बाढ़ का कारण निश्चित रूप से जलवायु परिवर्तन था। जलवायु परिवर्तन, बादल फटने और अभूतपूर्व बारिश के साथ पहाड़ों से जलधाराएं मैदानों में आने की वजह से बाढ़ आई। इन सबके के कारण पाकिस्तान समुद्र जैसा दिख रहा है। उन्होंने कहा, '' पर्यावरण की यह नाइंसाफी हमारे साथ हुई है क्योंकि तथ्य यह है कि हमारा कार्बन उत्सर्जन एक प्रतिशत से भी कम है।''

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने दुनियाभर के नेताओं से कहा, '' मैं आप सब से अपील करता हूं कि एससीओ एकजुट हो और सतत प्रयासों के जरिए इस तबाही के खिलाफ कदम उठाए।'' शरीफ ने कहा कि देश ने अपने इतिहास में जलवायु से जुड़ी इस प्रकार की तबाही का सामना कभी नहीं किया जिसने मानव जीवन, बुनियादी ढांचे, पशुधन और फसलों पर कहर बरपाया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से पकिस्तान को मुसीबत से उबारने में मदद की अपील की।

ब्रिटेन में आर्थिक संकट के बीच शाही परिवार के प्रशंसकों ने लंदन के पर्यटन की दी रफ्तार

लंदन। (एजेंसी)।

महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को अंतिम विदाई देने के लिए बड़ी संख्या में राजशाही प्रशंसक लंदन में जमा हुए हैं। इसके चलते यहां रेस्टोरेंट और होटलों में भारी भीड़ देखने को मिल रही है। ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था इस वक्त उच्च मुद्रास्फीति और भू-राजनीतिक तनाव के कारण मंदी की कगार पर है। ऐसे वक्त में एलिजाबेथ को श्रद्धांजलि देने के लिए आने वाले लोग पर्यटन से जुड़े व्यवसायों को बढ़ावा दे रहे हैं। इन लोगों में कई सुदूर अमेरिका और भारत से आए हैं। भारत से आए कनककांत बेनेडिक्ट ने कहा, आप जानते हैं, यह ऐतिहासिक क्षण है। यह जीवन में एक बार होता है... इसलिए हम इस क्षण का हिस्सा बने। वह अपनी पत्नी के साथ आए हैं। ब्रिटेन में सबसे लंबे समय तक शासन करने वाली एलिजाबेथ के अंतिम संस्कार से जुड़े कार्यक्रमों पर पूरी दुनिया की नजर है। बकिंघम पैलेस के पास फूल और स्मृति चिन्ह की दुकानों पर काफी भीड़ है। उनका सोमवार को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। इसबीच मध्य लंदन में होटल के कमरों की मांग बढ़ गई है और कुछ मामलों में कीमत दोगुनी हो गई है। लंदन स्थित समूह बुकिंग मंच होटल प्लानर डॉट कॉम के अनुसार 95 प्रतिशत तक कमरे भर चुके हैं। इसी तरह कुछ पर्यटकों ने बताया कि उनके खाने-पीने का खर्च 30 प्रतिशत तक बढ़ गया है।

मुंबई हमलों के साजिशकर्ता पाक आतंकवादी साजिद मीर को चीन ने फिर काली सूची में डालने से रोका

जिनेवा (एजेंसी)।

ड्रैगन के मंसूबे ठीक नहीं है वह भारत के साथ दगाबाजी करने में पीछे नहीं रहता। जहां एक ओर एससीओ समिट में भारत और चीन से एक साथ मंच साझा किया। उम्मीद थी कि एशिया के दो बड़े देशों के बीच जो मौजूदा हालात हैं उनमें कुछ बदलाव आएगा लेकिन भारत की तमाम कोशिशों के बाद भी चीन अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। एससीओ में पाकिस्तान-चीन ने मिलकर आतंकवाद का मुद्दा तो उठाया लेकिन आतंक को खत्म करने की बात पर खुद ही अमल नहीं कर रहा हैं। लंबे समय से भारत अमेरिका सहित कई देश पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी साजिद मीर को ब्लैक लिस्ट करने की मांग कर रहे थे लेकिन अब चीन ने एक बार फिर दिखा दिया है कि वह भले ही बड़े मंचों से आतंकवाद को खत्म करने की बात करता है लेकिन वास्तव में वह अपने हित के लिए आतंकियों का साथ भी दे सकता हैं। पाकिस्तान को सिर तक कर्ज देने के बाद चीन पाकिस्तान के मुद्दों पर भी जोर-शोर से बात करता हैं। वहां की पॉलिसी को देखते हुए वह यूएन में बात करता हैं। जहां सभी लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी साजिद मीर को ब्लैक लिस्ट करने की मांग कर रहे थे, वहीं चीन से इस प्रस्ताव को यूएन में अपने वीटो के जरिए रोक दिया हैं। पाक आतंकी नेताओं की चीन रक्षा कर रहा है। साजिद मीर को काली सूची में डालने के संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव पर रोक दिया गया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य चीन ने इस कदम पर 'रोक' लगाई है। यह संयुक्त राष्ट्र को मीर को छह महीने के लिए काली सूची में डालने से रोकता है। यह इश्यू अगले साल मार्च में ही आ सकता है। इसकी शुरुआत जैश-ए-मोहम्मद के मौलाना मसूद अजहर और उसके बाद उसके भाई अब्दुल रऊफ से हुई। न्यूयॉर्क के सूत्रों ने कहा कि चीन पाकिस्तान स्थित आतंकवादी नेताओं को सूचीबद्ध होने से बचाता है और फिर, संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्वीकृत, नवीनतम लश्कर-ए-तैयबा या लश्कर-ए-तैयबा का साजिद मीर है। साजिद मीर, एक वरिष्ठ अधिकारी, उस टीम का हिस्सा था जिसने मुंबई में 26/11 हमले की योजना बनाई थी और भारत में वांछित है। कल देर रात, संयुक्त राज्य अमेरिका, भारत द्वारा समर्थित, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की 1267 अल कायदा प्रतिबंध समिति के तहत मीर को ब्लैकलिस्ट करना चाहता था, जो उसकी गतिविधियों की निगरानी करेगा, उसकी संपत्ति को फ्रीज करेगा और उसे हथियार खरीदने की अनुमति नहीं देगा।

चीन ने पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी साजिद मीर को काली सूची में डालने के अमेरिका और भारत के प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र में अवरुद्ध कर दिया है। चार महीनों में बीजिंग का यह तीसरा ऐसा कदम है। मीर भारत के वांछित आतंकवादियों में से एक है और 2008 के मुंबई हमलों का मुख्य साजिशकर्ता है। ऐसी जानकारी है कि बीजिंग ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 अलकायदा प्रतिबंध समिति के तहत वैश्विक आतंकवादी के तौर पर मीर को काली सूची में डालने के अमेरिका के प्रस्ताव पर गुरुवार को रोक लगा दी।

ब्रिटेन की महारानी को श्रद्धांजलि देने उमड़ा जनसैलाब, 5 मील लंबी लाइन में कतारबद्ध दिखे लोग

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटेन के शाही परिवार की शीर्ष सदस्य महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन के बाद पूरे देश में शोक का माहौल है और आमजनता अपनी महारानी को श्रद्धांजलि देने वालों की मीलों लंबी कतार देखकर ब्रिटिश सरकार ने शुक्रवार को लोगों को और लोगों को कतार में शामिल होने से रोक दिया। सरकार ने यह कदम महाराजा चार्ल्स तृतीय और उनके भाई बहन के ऐतिहासिक वेस्टमिंस्टर हॉल में पहुंचने से कुछ घंटे पहले उठाया। कतार के बारे में जानकारी देने वाले लाइव ट्रैकर ने कहा कि कतार लंबी हो चली है और अपनी क्षमता तक पहुंच चुकी है तथा लोगों को कतार का हिस्सा होने से छह घंटे के लिए 'रोक' दिया गया है, क्योंकि इंतजार की घड़ी 14 घंटे तक बढ़ गयी है और महारानी के दर्शन करने वाली शोकाकुल जनता की कतार पांच मील अर्थात आठ किलोमीटर तक लंबी हो चुकी है।

यह कतार संसद से लेकर दक्षिण लंदन स्थित साउथवार्क पार्क तक और उसके बाद पार्क के चारों ओर घुमावदार स्थिति में पहुंच चुकी है। लंदन की निवासी कैरोलीन क्विल्टी ने कहा कि वह शुक्रवार को चार बजे सुबह कतार में शामिल हुई हैं। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि यह ऐतिहासिक क्षण है और यदि मैं इसमें शामिल नहीं होती हूं या इसका हिस्सा नहीं बनती हूं तो निश्चित तौर पर मुझे इसका पछतावा होगा।' इस बीच, चीनी अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल को कथित तौर पर संसद के उस ऐतिहासिक हॉल में जाने से रोक दिया गया था, जहां दिवंगत महारानी का ताबूत रखा है। चीन के सुदूर-पश्चिमी शिनजियांग क्षेत्र में अपने उइगर अल्पसंख्यक के साथ व्यवहार के खिलाफ बोलने के लिए बीजिंग द्वारा पिछले साल सात ब्रिटिश सांसदों को प्रतिबंधित करने बाद ब्रिटेन में चीनी राजदूत को संसद से एक साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है। हाउस ऑफ कॉमन्स के अध्यक्ष लिंडसे हॉयल के कार्यालय ने अमेरिकी समाचार की एक रिपोर्ट पर शुक्रवार को टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि चीनी प्रतिनिधिमंडल को वेस्टमिंस्टर हॉल में अनुमति नहीं दी

जाएगी। बीजिंग में, चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि उन्होंने यह खबर नहीं देखी है, लेकिन महारानी के अंतिम संस्कार के मेजबान के तौर पर ब्रिटिश सरकार को 'मेहमानों की आगवानी के लिए राजनयिक प्रोटोकॉल और उचित शिष्टाचार का पालन करना चाहिए।' महारानी के सोमवार के अंतिम संस्कार में एक चीनी प्रतिनिधिमंडल के शामिल होने की संभावना है।

संपादकीय

समरकंद में गुट-सापेक्ष्यता

अध्यक्ष के नाते अब उसे अन्य सदस्य राष्ट्रों के साथ-साथ चीन और पाकिस्तान से भी सीधी बात करनी होगी। इस संगठन का मुख्य उद्देश्य आतंकवादी घटनाओं को रोकना है। इसके लगभग सभी देश आतंकवाद से त्रस्त हैं लेकिन सच्चाई तो यह है कि इस संगठन ने आतंकवाद के विरुद्ध प्रस्ताव तो बहुत पारित किए हैं लेकिन आज तक ठोस कदम कोई नहीं उठाया है।

(लेखक-डॉ वेदप्रताप वैदिक)

समरकंद में हुई शांघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन में यदि चीन के नेता शी चिन फिंग और पाकिस्तान के नेता शाहबाज शरीफ से हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यक्तिगत वार्ता हो जाती तो उसे बड़ी सफलता माना जाता लेकिन उजबेक, ईरान, रूस और तुर्कीए के नेताओं से हुई उनकी मुलाकातें काफी महत्वपूर्ण रहीं। अब भारत इस वर्ष इस संगठन की अध्यक्षता भी करेगा। अध्यक्ष के नाते अब उसे अन्य सदस्य राष्ट्रों के साथ-साथ चीन और पाकिस्तान से भी सीधी बात करनी होगी। इस संगठन का मुख्य उद्देश्य आतंकवादी घटनाओं को रोकना है। इसके लगभग सभी देश आतंकवाद से त्रस्त हैं लेकिन सच्चाई तो यह है कि इस संगठन ने आतंकवाद के विरुद्ध प्रस्ताव तो बहुत पारित किए हैं लेकिन आज तक ठोस कदम कोई नहीं उठाया है। इसके बावजूद इस संगठन के शिखर सम्मेलनों का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसके जरिए इसके सदस्य-राष्ट्रों के द्विपक्षीय संबंध मजबूत बनते हैं। उदाहरण के लिए तुर्किए के राष्ट्रपति रजब तय्यब एर्दोअन के साथ हुई मोदी की भेंट का विशेष महत्व है, क्योंकि उन्होंने कश्मीर के सवाल पर भारत के विरुद्ध संयुक्तराष्ट्र संघ और पाकिस्तानी संसद में बड़े कटु शब्दों का प्रयोग किया था। इस भेंट में दोनों देशों के बीच व्यापार आदि बढ़ाने पर बात हुई। इसी प्रकार रूसी नेता व्लादिमीर पूतिन से हुई भेंट में भारत-रूस संबंधों की बढ़ती हुई घनिष्टता पर जमकर विचार हुआ। पूतिन ने मोदी को जन्मदिन की अग्रिम बधाई दी। मोदी ने रूस-यूक्रेन युद्ध को बंद करने की वकालत की। इसी तरह मोदी ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी से भी पहली बार मिले। दोनों ने चाहबहार के बंदरगाह की प्रगति के बारे में बात की। दोनों के बीच अफगानिस्तान में शांति-स्थापना के बारे में भी बात हुई। दोनों नेताओं ने मध्य और दक्षिण एशिया के राष्ट्रों के बीच आवागमन और परिवहन को सरल और सुलभ बनाने पर भी बात की। मोदी ने अपने भाषण में इस सम्मेलन में आए नेताओं को भारत की आर्थिक उपलब्धियों से अवगत करवाया और संकट में फंसे पड़ौसी राष्ट्रों को भारत द्वारा दी गई मदद का भी जिक्र किया। लेकिन आश्चर्य है कि इस संगठन ने भयंकर विनाश में फंसे पाकिस्तान की मदद का कोई संकल्प नहीं दिखाया। वह भी तब जबकि शाहबाज शरीफ ने खुले-आम अपनी दुर्दशा का वर्णन किया। चीनी नेता शी चिन फिंग ने भारत को अध्यक्ष बनने की बधाई जरुर दी लेकिन भारत ने अपने आप को चीनी रेशम महापथ की संयुक्त सराहना से अलग रखा। यहां ध्यातव्य तथ्य यह है कि शांघाई सहयोग संगठन के प्रति अमेरिका का रूख मैत्रीपूर्ण नहीं है और रूस, चीन और ईरान जैसे राष्ट्रों से उसके संबंध काफी तनावपूर्ण हैं, इसके बावजूद भारत के प्रति अमेरिका ने कोई आपत्ति नहीं जताई है। अमेरिका-विरोधी राष्ट्रों के बीच भारत महत्वपूर्ण मध्यममार्गी राष्ट्र है। यह भारतीय विदेश नीति की सफलता ही मानी जाएगी। यह गुट-निरपेक्षता से आगे की चीज है। इसे मैं गुट-सापेक्ष्यता कहता हूं। इसे नॉन-एलाइनमेंट की जगह मल्टी-एलाइनमेंट कहा जा सकता है। इसे मैंने समदूरी की बजाय सम-सामीप्य की नीति भी कहा है।

कार्टून

लॉफिंग ज़ोन

सेठ जी के रेडीमेड कपड़ो के शोरूम में चोरी हो गई। उनके एक खास दोस्त ने पूछा, 'आपके शोरूम में चोरी हो गई, काफी नुक्सान हुआ होगा?'

सेठ जी बोले, 'अरे भाई दीवाली के सीजन पर दी गई पैंतीस प्रतिशत छूट की वजह से इतना ज्यादा नुक्सान नहीं हुआ। अगर छूट न दी होती तो नुक्सान कहीं ज्यादा हो जाता।'

□ □ □

उदयपुर के पुराने महल को देखते हुए एक पर्यटक बहुत 'थक गया, वहीं पुराने जमाने की एक कुर्सी रखी थी। वह उसी पर बैठ गया। इस पर महल दिखाने वाला गाइड गुस्सा होकर बोला, 'साहब इस पर न बैठें यह कुर्सी महाराणा उदय सिंह की हैं।'

'बहुत थक गया हूं, भैया थोड़ी देर बैठ लेने दो। महाराणा आएंगे तो उठ जाऊंगा।' पर्यटक महाशय बोले।

□ □ □

अध्यापक अपने एक सबसे प्रिय छात्र से कहा, 'राजू तुम अपनी मां का कहना तो मानते होगे?'

'जी सर, वह जितना कहती हैं उससे भी ज्यादा मानता हूं।'

'वह कैसे?'

राजू 'जब मां कहती है जा। फ्रिज में रखी आधी मिठाई खा ले तो पूरी खा लेता हूं।'

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के चलते भारत की आर्थिक विकास दर में हो रही वृद्धि

लेखक- प्रहलाद सबनानी

हाल ही के समय में, भारत में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए केंद्र सरकार द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और केंद्र सरकार द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र पर खर्च की जाने वाली राशि का बजट में प्रावधान लगातार बढ़ाया जा रहा है ताकि देश के नागरिक न केवल स्वस्थ रहें बल्कि यदि बीमार भी हों तो उन्हें उत्तम दर्जे की स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करायी जा सके एवं वे शीघ्रतिशीघ्र स्वास्थ्य लाभ लेकर अपने आप को आर्थिक गतिविधियों में संलग्न कर सकें।

किसी भी देश में स्वस्थ नागरिक उस देश के लिए एक बहुत बड़ी पूंजी मानी जाती है। नागरिकों के स्वस्थ रहने से देश की अर्थव्यवस्था को सीधे सीधे दो लाभ होते हैं। एक, देश के स्वस्थ नागरिकों की उत्पादकता तुलनात्मक रूप से अधिक रहती है। दूसरे, यदि नागरिक बीमार हैं तो उनको स्वस्थ रखने के लिए अधिक खर्च करना होता है, जो कि एक तरह से अनुत्पादक खर्च की श्रेणी में गिना जाता है, और बीमार नागरिकों की उत्पादकता तो कम होती ही है। इस बीच यदि देश में उत्तम दर्जे की स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हैं तो अस्वस्थ नागरिकों को जल्दी स्वस्थ कर पुनः उनकी उत्पादकता को बढ़ाया जा सकता है। जिसका सीधा लाभ उस नागरिक के साथ ही देश के आर्थिक विकास में सुधार के रूप में भी देखने में आता है। हाल ही के समय में, भारत में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए केंद्र सरकार द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और केंद्र सरकार द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र पर खर्च की जाने वाली राशि का बजट में प्रावधान लगातार बढ़ाया जा रहा है ताकि देश के नागरिक न केवल स्वस्थ रहें बल्कि यदि बीमार भी हों तो उन्हें उत्तम दर्जे की स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करायी जा सके एवं वे शीघ्रतिशीघ्र स्वास्थ्य लाभ लेकर अपने आप को आर्थिक गतिविधियों में संलग्न कर सकें। इसी संदर्भ में यहां केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई आयुष्मान भारत योजना का उल्लेख किया जा सकता है। यह योजना अल्पकाल में ही गरीब वर्ग के स्वस्थ जीवन का आधार बन कर गरीबों-वंचितों के लिए वरदान बन गई है। आयुष्मान भारत योजना या प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, भारत सरकार की एक स्वास्थ्य बीमा कवर योजना है, जिसे 23 सितंबर, 2018 को पूरे भारत में लागू किया गया था। इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों अर्थात बीपीएल धारकों को स्वास्थ्य बीमा मुहैया कराना है। इसके अन्तर्गत आने वाले प्रत्येक परिवार को 5 लाख रुपए तक का कैशरहित स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराया जा रहा है। भारत में केवल आयुष्मान भारत योजना को ही लागू नहीं किया गया है बल्कि देश में स्वास्थ्य सेवाओं को आसान और सुलभ बनाने के लिए भी केंद्र सरकार अन्य कई प्रयास कर रही है। जैसे अभी हाल ही में केंद्र सरकार ने 'ई-संजीवनी' टेलीमेडिसिन सेवा को आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के साथ जोड़ दिया है। इसका उद्देश्य भारत में मौजूदा डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं की दूरियों को कम करने और संबंधित पक्षों के लिए डिजिटल रास्ता बनाना है। वर्ष 2018 में प्रारम्भ की गई आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत टेली-परामर्श सेवा, 3 करोड़ टेली-परामर्श को पार कर गई है। वहीं, 23 सितंबर 2018 को शुरू हुई आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना के अंतर्गत अभी तक 18 करोड़ से अधिक परिवारों को आयुष्मान कार्ड प्रदान कर दिए गए है अर्थात लगभग 90 करोड़ नागरिक इस स्वास्थ्य बीमा योजना का प्रत्यक्ष लाभ लेने हेतु सक्षम हैं। यूं तो स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से ही देश में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए प्रयास किए जा रहे हैं परंतु पिछले 8 वर्षों के दौरान इस ओर विशेष ध्यान दिए जाने से देश की स्वास्थ्य व्यवस्था में व्यापक सुधार दृष्टिगोचर हुआ है। कोरोना महामारी के दौरान जिस तरीके से भारत में इस महामारी को सफलतापूर्वक नियंत्रित किया गया, इसकी पूरे विश्व में भारत की सराहना हुई है। 130 करोड़ से अधिक आबादी वाले देश में अन्य विकसित देशों की तुलना में मृत्यु दर बहुत कम रही और बाद के समय में तो भारत में ही तैयार किए गए टीके के भी 200 करोड़ से अधिक डोज देश के नागरिकों को सफलतापूर्वक लगाए जा चुके हैं, जिससे कोरोना महामारी एक तरह से भारत में नियंत्रित हो गई है, वहीं चीन, अमेरिका, ब्रिटेन, आदि देशों के नागरिक अभी भी कोरोना बीमारी से जूझ रहे हैं। भारत में स्वास्थ्य सेवाओं में हुए सुधार के चलते ही देश के नागरिकों की जीवन प्रत्याशा में बढ़ोतरी हुई है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 1970-75 के दौरान भारत में जीवन प्रत्याशा जहां करीब 51 वर्ष थी, वह वर्ष 2015-19 में बढ़कर 69 वर्ष तक पहुंच गई है। भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति के समय प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों की संख्या केवल 725 थी, जबकि आज देश में डेढ़ लाख से अधिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं। इसी प्रकार, वर्ष 1950-51 में भारत में मेडिकल कॉलेजों की संख्या मात्र 28 थी। जबकि आज भारत में 595 एलोपैथी और 733 आयुष मेडिकल कॉलेज स्थापित हो चुके हैं। भारत में न केवल स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हुआ है बल्कि भारत में चिकित्सा क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने में भी केंद्र सरकार ने अतुलनीय कार्य किया है, इसमें चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार के साथ ही तकनीकी सुविधाओं का विस्तार भी शामिल है। इसके कारण आज विदेशी नागरिकों के इलाज के लिये भी भारत एक पसंदीदा जगह बनता जा रहा है। भारत मेडीकल टूरिज्म का हब बनता जा रहा है। मेडीकल सुविधाओं के मामले में भारत आज विश्व के कुछ चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है। विदेशी नागरिक भारत में अब केवल घूमने के मकसद से नहीं आ रहे हैं बल्कि अपना इलाज कराने भी आ रहे हैं। हर साल जटिल बीमारियों का इलाज कराने लाखों विदेशी नागरिक भारत आ रहे हैं। भारत आज दुनिया में तीसरा सबसे बडा, इलाज के लिहाज से, पसंद किया जाने वाला देश बन गया है। दरअसल, विकसित देशों में बीमारियों का इलाज बहुत मंहगा है। भारत में उक्त राशि की तुलना में यह केवल 20 से 30 प्रतिशत तक की राशि के बीच ही हो जाता है। अतः भारत में मेडीकल टूरिज्म बहुत फल फूल रहा है। पडोसी देशों विशेष रूप से बांग्लादेश, अफगानिस्तान, ईराक, ओमान, नाईजीरिया, उजबेकिस्तान, आदि के नागरिक भी गम्भीर बीमारियों के इलाज हेतु भारत का रुख करते हैं। इसके साथ ही विकसित देशों यथा, अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, आदि के नागरिक

भी अब इलाज के लिये भारत आ रहे हैं। भारत ने वर्ष 2014 में अपनी वीजा नीति को उदार बनाया था जिसका लाभ अब मेडीकल क्षेत्र को भी मिल रहा है। प्रत्येक वर्ष मेडीकल वीजा की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। भारत के कई निजी अस्पताल विदेशी नागरिकों को इलाज हेतु अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। वर्ष 2014 में केंद्र में सत्ता में आई माननीय श्री नरेंद्र मोदी सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं से करोड़ों लोगों को लाभ हुआ है। उक्त वर्णित आयुष्मान भारत योजना की साथ ही, अन्य योजनाओं जैसे, जनधन योजना के तहत 45 करोड़ से अधिक बैंक खाते खुले हैं। उज्जवला योजना के अंतर्गत 9 करोड़ से अधिक रसोई गैस कनेक्शन दिए गए हैं। किसान सम्मान निधि योजना से 12.35 करोड़ किसानों को लाभ मिल रहा है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना से 80 करोड़ लोगों को फायदा हुआ है। जल जीवन मिशन के तहत 5.5 करोड़ घरों तक नल का जल पहुंचा दिया गया है। प्रधान मंत्री आवास योजना के अंतर्गत 2.52 करोड़ घरों का निर्माण हो चुका है। इस प्रकार, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार कर एवं अन्य कई प्रकार की योजनाओं को लागू कर भारत आज दुनिया की सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बन चुका है और दुनिया की टॉप-3 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। विश्व बैंक के अनुसार, वर्ष 1947 से वर्ष 1980 के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर -5 प्रतिशत से लेकर 9 प्रतिशत के दायरे में रही थी, इसमें समय समय पर बहुत उतार चढ़ाव देखने में आए हैं। वहीं कोरोना महामारी का दौर यदि छोड़ दें तो वर्ष 1992 से वर्ष 2019 तक भारत में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 4 प्रतिशत से 8 प्रतिशत के दायरे में रही है। अर्थात, अब भारतीय अर्थव्यवस्था में स्थिरता के साथ मजबूती भी आ रही है। अप्रेल-जून 2022 तिमाही में तो भारतीय अर्थव्यवस्था ने 13.5 प्रतिशत की विकास दर हासिल की है। जबकि विश्व की अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं जैसे, चीन की इस अवधि में जीडीपी वृद्धि दर 0.4 प्रतिशत रही है, स्पेन में 1.1 प्रतिशत, इटली में 1.0 प्रतिशत, फ्रांस में 0.5 प्रतिशत, जर्मनी में 0.1 प्रतिशत, ब्रिटेन में -0.10 प्रतिशत और अमेरिका में -0.6 प्रतिशत रही है। ऐसा शायद भारत में स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार हो रहे सुधार के चलते सम्भव हो पाया है और अन्य उक्त वर्णित देश कोरोना महामारी से अभी भी जूझ रहे हैं।

विचार मंथन

तेजस पर निगाह

लेखक-सिद्धार्थ शंकर

दुनिया के कई देश भारतीय लड़ाकू विमान तेजस के दीवाने हो गए हैं। कई देशों ने भारत के लड़ाकू विमान तेजस को खरीदने की इच्छा जताई है। तेजस पर बाकायदा बातचीत के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अर्जेंटीना की दो दिवसीय यात्रा की थी। भारतीय लड़ाकू विमान तेजस की दुनिया में मांग के पीछे दो बड़ी वजह हैं इसका चीन और पाकिस्तान के जेएफ-17 से ज्यादा ताकतवर और इंपेक्टफुल होना। दूसरा तेजस दुनिया के अन्य लड़ाकू विमानों से कीमत में भी सस्ता है। अर्जेंटीना के अलावा हाल ही के दिनों में मलेशिया, इंडोनेशिया और फिलीपींस सहित कई देशों ने तेजस विमान को खरीदने में रुचि दिखाई है। तेजस पर ऐसे ही इतना भरोसा नहीं है। दरअसल, भारतीय वायु सेना के लिए तेजस लड़ाकू विमान बेहद अहम है। एलएसी और एलओसी पर चीन और पाकिस्तान के खिलाफ दोहरी चुनौती में वायुसेना के लिए तेजस बड़ा और घातक हथियार है। चीन और पाक भी इस बात को अच्छी तरह से समझते हैं। हालांकि वो तेजस के मुकाबले अपने जेएफ-17 लड़ाकू विमान का दंभ भरते हैं। तेजस को भारत ने स्वनिर्मित किया है जबकि, जेएफ-17 को चीन और पाकिस्तान ने संयुक्त रूप से बनाया है। जेएफ-17 के मुकाबले तेजस काफी हल्का और तेज है। इसमें जेएफ-17 से ज्यादा पावरफुल इंजन भी लगा है। इसकी पेलोड क्षमता भी ज्यादा है। इसके अलावा तेजस को नेवी की जरूरत के हिसाब से मॉडिफाई भी किया गया है। यही कारण है कि तेजस चीन और पाक के जेएफ-17 से ज्यादा अत्याधुनिक और ज्यादा क्षमता वाला लड़ाकू विमान है। तेजस की कीमत दुनिया के अन्य लड़ाकू विमानों की तुलना में काफी कम है।

जबकि ताकत और बहादुरी के मामले में वह दूसरे लड़ाकू विमानों पर भारी है। तेजस का निर्माण हल्के कॉम्बेड एयरक्राफ्ट के तौर पर किया गया है जो समय के साथ लगातार अपडेट किया जाता रहता है। तेजस डिफेंस के कम बजट वाले देशों के लिए संजीवनी है। तेजस का एक रिकॉर्ड यह भी है कि यह लड़ाकू विमान कभी किसी हादसे का शिकार नहीं हुआ। हाल के वर्षों में रक्षा क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ा है। रक्षा उपकरणों का सबसे बड़ा आयातक अमेरिका भी पूरी तरह भारत में विकसित इस लड़ाकू विमान में रुचि ले रहा है। अमेरिका, आस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया और फिलिपींस सहित छह देश तेजस की खरीद के लिए आगे आए हैं। मलेशिया तो पहले ही इस विमान को खरीदने के लिए प्रस्ताव रख चुका है। देश की आजादी के बाद कई क्षेत्रों में बड़े काम हुए, लेकिन रक्षा क्षेत्र एक तरह से उपेक्षित ही रहा। लंबे समय तक भारत रक्षा उपकरणों और छोटे-छोटे जरूरी सामान के लिए दूसरे देशों का ही मुंह ताकता रहा। कुछ साल पहले तक भी भारत रक्षा क्षेत्र में उपयोग होने वाले लगभग ज्यादातर उत्पाद, हथियार और उपकरण विदेशों से खरीदे जाते रहे। यही कारण रहा कि भारत पूरे विश्व में रक्षा उपकरणों का सबसे बड़ा आयातक देश बना रहा। पर अब हालात बदल रहे हैं। आज दक्षिण पूर्व एशिया में भारत का दबदबा बढ़ रहा है। हथियार निर्यात से न केवल देश की आय बढी है, बल्कि फिलिपींस के बाद वियतनाम और इंडोनेशिया जैसे देशों ने भी भारत से हथियार खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है। जाहिर है, ऐसे में हर देश के लिए सैन्य ताकत बढ़ाना वक्त की जरूरत बनता जा रहा है और संयोग से यह अवसर भारत को मिल रहा है।

हसीना के साथ भारत का रिश्ता

हसीना की यात्रा से मैत्री को नये आयाम

लेखक- जी. पार्थसारथी

हाल ही में अपने पड़ोसी मुल्कों के सबसे सम्माननीय नेताओं में एक और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना का स्वागत आधिकारिक तौर पर भारत आने पर किया गया। बांग्लादेश के संस्थापक और राष्ट्रपिता शेख मुजीब-उर-रहमान की बेटी शेख हसीना के साथ भारत का रिश्ता 1971 से है। शेख मुजीब को पाकिस्तानी जेल में कैद करके रखा गया था और रिहाई युद्ध समाप्ति के बाद हुई, जब 16 दिसंबर, 1971 के दिन पाकिस्तानी फौज ने भारतीय सेना और 'मुक्ति-बाहिनी' के सामने हथियार डाले थे। लेकिन बाद में शेख हसीना के लिए जिंदगी उथल-पुथल भरी रही। उनके पिता शेख मुजीब, माता फैज़लतुन्निसा मुजीब और तीन भाइयों को 15 अगस्त, 1975 के दिन ढाका के राष्ट्रपति निवास में विद्रोही सैनिकों ने कत्ल कर दिया। उस नृशंस तख्तापलट के वक्त शेख हसीना और उनकी बहन जर्मनी में थीं, इसलिए बची रहीं। सालों तक मुजीब-उर-रहमान की हत्या के पीछे विदेशी हाथ होने की खबरें आती रहीं। लेकिन तमाम विपरीत हालातों के बावजूद शेख हसीना ने बांग्लादेश में वापसी की और पिता की अवामी लीग पार्टी में फिर से जान फूंकी। वर्ष 1996 में वे पहली मर्तबा प्रधानमंत्री चुनी गईं और 2001 तक सरकार चलाई। शेख हसीना उस वक्त पार्टी अध्यक्ष थीं, जब उन्होंने 2009 में चुनाव जीतने के बाद पुनः प्रधानमंत्री का ओहदा संभाला। शेख हसीना की बांग्लादेश में धार्मिक सौहार्द्र कायम रखने के लिए प्रतिबद्धता अविचलित रही है। हालांकि पाकिस्तान वहां के कट्टरपंथियों को मदद देता रहा है। पिछले सालों में पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच संबंध बिगड़े हैं। बांग्लादेश में पाकिस्तान-परस्त कट्टरपंथियों से सख्ती से निपटा जा रहा है। जहां पाकिस्तान की कोशिश रही कि दक्षेस एक बेमानी संगठन बनकर रह जाए, वहीं भारत और बांग्लादेश, पाकिस्तान को साथ लिए बिना, क्षेत्रीय सहयोग सुनिश्चित करने में लगे हैं। इस हेतु बिम्सटेक नामक संगठन के माध्यम से, जिसके सदस्यों में थाइलैंड, म्यांमार, भारत, श्रीलंका और बांग्लादेश के अलावा बंगाल की खाड़ी के तमाम राष्ट्र हैं, प्रभावशाली ढंग से काम जारी है। भारत ने पाक के अलावा बाकी दक्षेस राष्ट्रों के साथ मुक्त-व्यापार संबंध जारी रखा है। अभी हमारे पूरबी पड़ोसियों के साथ नौवहनीय सहयोग पर अधिक ध्यान केंद्रित करना बाकी है। जब 1971 में बांग्लादेश बना तो अमेरिकी विदेश मंत्री हेनरी किसींजर ने कटाक्ष करते हुए कहा था कि बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय भिखारी बनने जा रहा है, जिसे सदा विदेशी खैरात की जरूरत पड़ेगी। हालांकि बांग्लादेश ने एक सतत आर्थिक वृद्धि दर हासिल कर दिखाई, पाकिस्तान की बनिस्बत, जो अपने आर्थिक वजूद के लिए हमेशा सऊदी अरब, यूएई, अमेरिका, चीन से लेकर यूरोपियन यूनियन के मुल्कों के अतिरिक्त विश्व बैंक की मदद पर निर्भर है। वहीं बांग्लादेश ने काबिले तारीफ आर्थिक वृद्धि हासिल की है, जो 2012 में 6 फीसदी से बढ़कर 2018 में 8.15 प्रतिशत हो गई। जाहिर है कोविड के चलते वृद्धि दर 2021 में सिकुड़कर 3.51 प्रतिशत रही। हालांकि एशियाई विकास बैंक ने इस साल बांग्लादेश के लिए अनुमान 6 फीसदी लगाया है। लेकिन बांग्लादेश ने वस्त्र उद्योग में कमाल किया, जिसका वार्षिक उत्पादन 34 बिलियन डॉलर जा पहुंचा है, यह बांग्लादेश के कुल निर्यात का 80 प्रतिशत हिस्सा है। आज बांग्लादेश दुनियाभर में वस्त्रों का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है। शेख हसीना वर्ष 2009 से चौथी बार प्रधानमंत्री के ओहदे पर हैं। उन्हें विपक्षी बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी और कट्टर इस्लामिक गुटों जैसे कि जमात-ए-इस्लामी के कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है, फिर भी अर्से से वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया और सांप्रदायिक सौहार्द पर पहले की भांति अडिग हैं। दक्षेस और बिमस्टेक सहित अनेक सहयोग संगठनों में अनेकानेक मुद्दों पर वे भारत की तगड़ी भागीदार रही हैं। 1975 में अपने पिता और अन्य पारिवारिक सदस्यों की निर्मम हत्या की गंभीर जांच के लिए उन्होंने निर्णायक रुख कायम रखा।

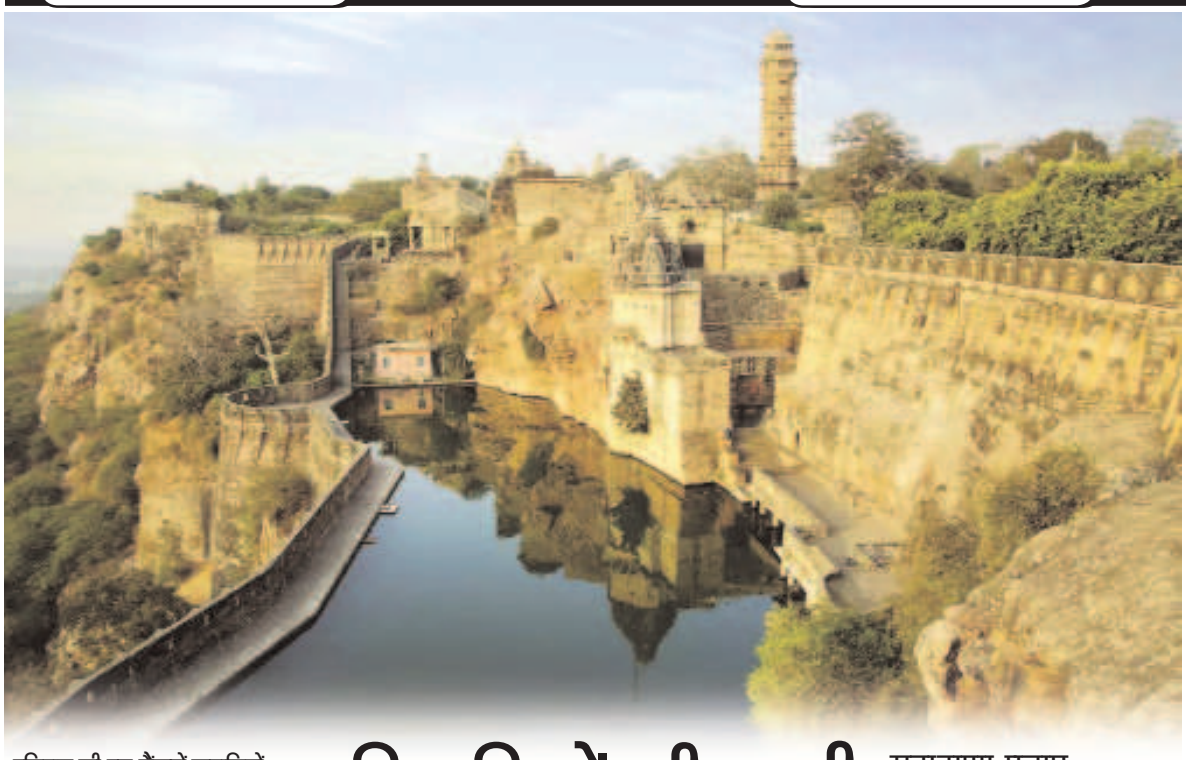

बलिदानियों की धरती चित्तौड़गढ़

बलिदान की उन सैंकड़ों कहानियों का गवाह रहा हूं, जिन पर वर्तमान को मुझपर अभिमान है.कभी लहू देकर मेरा सम्मान किया गया.तो कभी उन जलती चिता को देखकर मैंने आंसू बहाए.जो मेरी बेटी थी.जो मेरा बेटा था.मेरी धरती पर उन बेटों ने जन्म लिया है.उन बेटियों ने जन्म लिया है, जिनपर आज भी मुझे गर्व है.आज मैं अपनी कहानी सुना रहा हूं.मैं चित्तौड़गढ़ हूं.आज मैं अपने इतिहास. वीरतापूर्ण लड़ाइयों.राजपूत शूरता.

मत बांटो.हमने अपने बेटों को कभी धर्म और संप्रदाय की आंखों से नहीं देखा. जब मुगल बाबर ने हमें आंखें दिखाई थी, तो खन्वा के युद्ध में मेरे बेटे राणा सांगा का साथ देने के लिए हसन खान चिश्ती और महमूद लोदी ही तो आए थे.जब अत्याचारी अहमद शाह हमें लूटने पहुंचा, तो हमारी राजमाता कर्णावती ने रक्षा के लिए अपने मुगल भाई हुमायूं को ही तो राखी भेजी थी.जब मेरे प्रतापी बेटे महाराणा प्रताप के खिलाफ सभी सगे संबंधी मुगल अकबर के साथ हो गए, तो प्रताप का सेनापति बनकर पठान योद्धा हाकम खान सूर ने ही युद्ध में बलिदान दिया.मुझे किसी करणी सेना के नाम पर किसी जाति में मत बांधो.जब खुद के एक मेरे नालायक बेटे बनबीर ने मेरे ऊपर अत्याचार किए, तो मेरे वारिस उदय सिंह को बचाने के लिए गुर्जर जाति की पन्नाधाय ने अपने बेटे चंदन का बलिदान कर मेरे वारिस को बचाया था. जब महराणा प्रताप की मदद किसी ने नहीं की, तो एक वैश्य ने सबकुछ बेचकर मेरी 12,000 सेनाओं का खर्च उठाया. जब राजपूत राजा हमारे लिए लड़ रहे प्रताप के खिलाफ अकबर से जा मिले, तो प्रताप की सेना में लड़ने के लिए घूमंतु आदिवासी गड़रिया लुहार ही साथ आए थे.जब अकबर ने हमला किया तो किसी रानी ने नहीं बल्कि फूलकंवर के नेतृत्व में मेरे गोद में चित्तौड़ की सभी महिलाओं ने आखिरी जौहर किया था.

पांचवी सदी में मौर्यवंश के शासक चित्तरांगन मौरी ने जब 7 मील यानी 13 किमी की लंबाई, 180 मी.ऊंचाई और 692 एकड़ में फैले इस पहाड़ी पर मुझे बसाया था.तब किसी को कहां पता था कि दुनिया का सबसे बुजुर्ग गढ़ मैं, यानी चित्तौड़गढ़, हिंदुस्तान की माटी का तिलक बन जाउंगा.मोरी वंश के अंतिम शासक मान सिंह मोरी के बाद मेरे पास 728 ईसवीं में गोहिल वंश के शासक आए.गोहिलों के शासन के बाद रावल वंश का शामन चला.कहते हैं गोहिलों ने दहेज में राजकुमारी को ये किला भेंट किया.रानी, राजकुमारी से रावल वंश के वंशज बप्पा रावल की शादी हुई थी. सातवीं से 13वीं सदी तक मेरे वैभव का काल था.जब हमारी सुचिता, वैभव और पराक्रम की कहानियां दूर-दूर तक कही जाने लगी.लेकिन चौदहवीं सदी से लेकर 16 वीं सदी तक हमने सबसे बुरा दौर देखा.जाने किसकी नजर हमारे चित्तौड़गढ़ पर लग गई और रावल वंश के शासक रतन सिंह के शासन के दौरान 1303 में अलाउद्दीन खिलजी ने मेरे उपर हमला कर दिया.हिंदुस्तान के सबसे सुरक्षित माना जाने वाला अभेद्य दुर्ग सबसे कमजोर भी हो सकता है ये खिलजी की युद्धनीति ने पहली बार सामने ला दिया.फिर यहीं से हम हमेशा के लिए कमजोर बनते चले गए.सात दरवाजों से घिरे मेरे अंदर सात विशाल ... ार नही कर ... ़लजी ने जाड़े ... र मैदान में ... नहीं आ ... दर हमारे ... या.सात ... ुद्ध के लिए ... वल रतन ... सेनापति ... ी को ... ौहर करना ... हमारी वीरता ... ामर कहानी ... ाउद्दीन लंपट ... को पाने के ... हिंदुस्तान की ... े हुए भी वो हमारी महरानी को नही पा सका.रावलों के शासन का यहीं अंत हुआ.13 साल तक अलाउद्दीन खिलजी और उसके बेटे खेजर ने मेरे ऊपर राज किया.इस दौरान पूरे महल को तोड़ दिया गया और 1000 हजार से भी ज्यादा मंदिर भी तोड़ दिए.ये हमारे ऊपर हुए अत्याचार की इंतहा थी.लेकिन हमने उम्मीद नहीं छोड़ी थी.उसके बाद गोहिल वंश के ही भाई राणा वंश के सिसोदियाओं ने हमारे ऊपर राज किया.1325 में राणा हमीर ने इसे अपना किला बनाया और राणा वंश यानी सिसोदिया वंश का शासन चलना शुरु हुआ.और आखिरी तक मेरे ऊपर सिसोदिया वंश का ही शासन रहा. मेरे उपर सबसे ज्यादा सिसोदिया वंश ने ही राज्य किया.और इस वंश में कई प्रतापी राजा हुए.राजा रतन सिंह से लेकर महराणा प्रताप ने चित्तौड़गढ़ पर शासन किया.महाराणा सांगा.महाराणा कुंभा भी चित्तौड़गढ़ के महान राजाओं में से एक हुए.इन राजाओं ने चित्तौड़गढ़ को एक अलग पहचान दिलवाई.मैं यानी चितौड़गढ़ किला अभेद्य था.पहाड़ी के किनारे-किनारे खड़े चट्टानों की पंक्ति थी.साथ ही साथ दुर्ग में अंदर जाने के लिए लगातार सात दरवाजे बनाए गये थे. लिहाजा, दुश्मनों के लिए किले के अंदर जाना नामुमकिन था.लेकिन, विशाल मैदान के बीच में पहाड़ी पर ये किला बना था.जिसकी वजह से दुश्मन विशाल मैदान में डेरा डाल देते थे.और किले के अंदर खाने की सप्लाई रोक देते थे. नतीजा किले के दरवाजों को खोलने के लिए राजाओं को विवश होना पड़ता था. और शत्रुओं की विशाल सेना होने की वजह से उन्हें हार का मुंह देखना पड़ता था.

रानी कर्णावती

रामी पद्मावती की कहानी तो आपने सुनी लेकिन राणा सांगा की पत्नी कर्णावती का भी बलिदान भी हमारे गर्भ में छिपा है.जब गुजरात के शासक अहमद शाह ने 1535 ईव़ी में चित्तौड़ पर हमला किया, तब बाबर के साथ खानवा के युद्ध में घायल राणा सांगा की मौत हो चुकी थी.राणा सांगा के पुत्र विक्रमादित्य के व्यवहार से परेशान किसी राजा ने हमारी मदद नहीं की.तो कर्णावती ने हूमायूं को राखी भेजते हुए लूटेरे अहमद शाह के खिलाफ मदद मांगी.हूमायूं को कर्णावती का संदेशा देर से मिला और मदद करने वो नहीं आ पाया.दो साल की लड़ाई के बाद अहमद शाह की जीत हुई तो 1537 ईवी में हजारों रानियों के साथ एक बार फिर कर्णावती ने मेरे अंदर दुर्ग में जौहर किया.

रानी मीरा

राणा सांगा के बेटे भोजराज के साथ मेड़ता की राजकुमारी की शादी हुई. लेकिन मीरा का मन कभी रानीवासा में नही लगा.वो तो गोपाल नंदलाल यानी कृष्ण के मंदिर में ही बैठी रहती है.राणा कंभा ने बाद में मीरा का मंदिर ही बना दिया जो आज भी चित्तौड़गढ़ में मौजूद है.

पन्ना धाय

राणा विक्रम सिंह की हत्या कर उनके चाचा का लड़का बनवीर चित्तौड़ की गद्दी पर बैठना चाहता था.तब चित्तौड़ के वारिस उदय सिंह पालना में थे.रानी कर्णावती की दाई पन्नाधाय उनकी देखभाल करती थी.जब पन्नाधाय को पता चला कि बनवीर तलवार लेकर उदय सिंह को मारने आ रहा है, तो पन्नाधाय ने चित्तौड़ के वारिस उदय सिंह को कुंभलगढ़ रवाना कर अपने बेटे चंदन को उदय सिंह के सामने सुला दिया और बनवीर ने मां पन्नाधाय के सामने ही उनके पुत्र चंदन को अपनी तलवार से दो टुकड़े कर दिए.

महाराणा प्रताप

जब अकबर ने एकबार फिर 1567 ईवीं में मेरे ऊपर हमला किया, तो उड़ई सिंह मेरे ऊपर राज करते थे.अकबर ने पूरी तरह से किले को बर्बाद कर दिया.एक बार फिर फूलकंवर के नेतृत्व में मेरे अंदर जौहर हुआ.तब हमारे राजा उदय सिंह ने 1568 में अकबर के संधि के अनुसार मुझे छोड़कर उदयपुर को अपनी राजधानी बना लिया.तब तय हुआ कि चित्तौड़ यानी मैं हमेशा के लिए वीरान रहूंगा और यहां कोई निर्माण नहीं होगा. दरअसल दिल्ली के सुल्तानों और मुगलों को हमेशा डर सताता था कि अगर चित्तौड़ आजाद और आबाद रहा, तो कभी दक्षिण नही जीत पाएंगे.मुगलों के साथ बारुद भारत में युद्ध में प्रयोग होने लगा तब तो हम बिल्कुल असुरक्षित हो गए थे. मगर मेरी गोद वीर पुत्रों से खाली नहीं थी.16 साल तक मेरी गोद में खेले महराणा प्रताप को सरदारों ने चित्तौड़ का शासक घोषित कर दिया.मैनें आखिरी हमला दिल्ली की गद्दी पर बैठे अकबर का देखा और फिर हमेशा-हमेशा के लिए इतिहास बन गया.उदय सिंह की हार हुई और मुगल की संधि के अनुसार इस किले को सिसोदिया वंश को छोड़ना पड़ा.उदय सिंह ने अपनी राजधानी उदयपुर बना ली.मगर उनके जेठ पुत्र महाराणा प्रताप इसे भुला नहीं पाए.वो इसी किले की तलहटी से अकबर से दो-दो युद्ध लड़े.और आखिरी बार हल्दीघाटी की लड़ाई हुई.

ये युद्ध हिंदुस्तान के सबसे मजबूत शासक और मुट्ठी भर लड़ाकों के साहस की लड़ाई थी.जिसे दुनिया प्रताप की वीरता के लिए याद रखती है.प्रताप और उनके हथियार बनाने वाले गड़रिया लुहारों ने ये प्रतीज्ञा ली थी कि जबतक मुझे नहीं पा लेगें वो किले में प्रवेश नहीं करेंगे.भारत आजाद हुआ तो खुद देश के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु ने गड़रिया लुहारों को लेकर 1955 में मेरे अंदर यानी किले में प्रवेश किया.1905 में अंग्रेजों के समय से अबतक हम दिल्ली की सरकार के अधीन रहे.मगर तब से हमारी सार संभाल ही हो रही है.

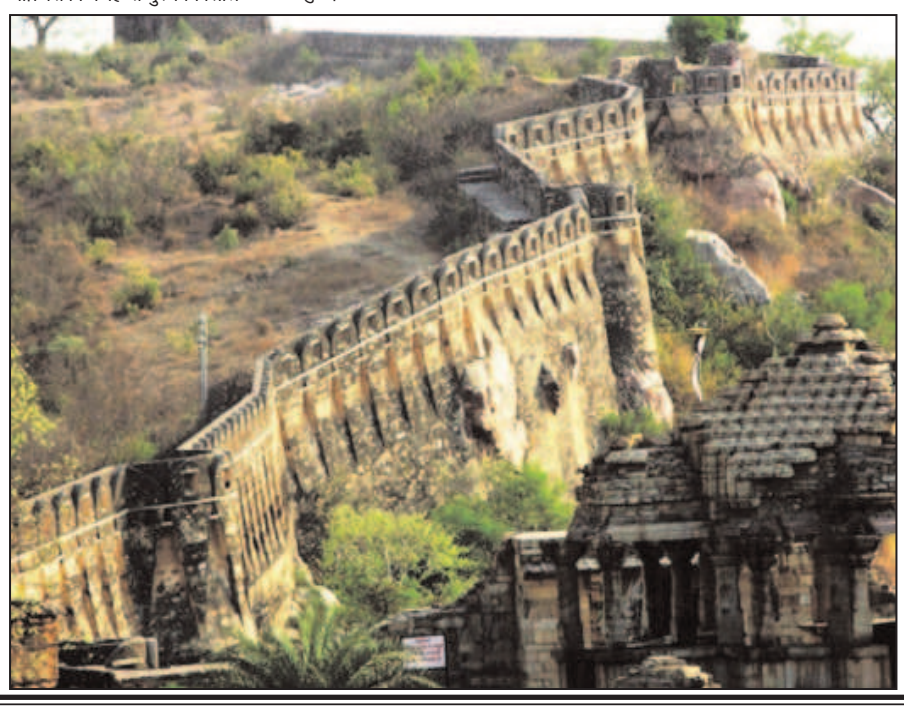

न जाने कितने कवि, लेखक और इतिहासकारों ने विभिन्न कालखंडो में मेरे बारे में और मुझ पर राज करनेवालों के बारे में क्या-क्या लिखा.मगर 2017 में इसे फिर से लिखा जा रहा है.इस बार कोई हमलावर चित्तौड़ नहीं आया है और न ही मेरे बहादुर चित्तौड़ के सैनिक इस लड़ाई को लड़ रहे हैं.मुझे इस लड़ाई से क्या हासिल होगा मुझे पता नहीं है.मैंने दुनिया के खुंखार से खुंखार आक्रांताओं और हमलावरों की खून की होली देखी है.मैं सब जानता हूं.मुझे मेरी हिफाजत करनी आती है.मै बूढ़ा नहीं हुआ हूं.मैं चित्तौड़ हूं.

निर्दयी राजा

माधो जंगल में लकड़ियां बीन रहा था। अचानक अपने गांव से आग की लपटें उठती देखकर वह घबरा उठा। पड़ोसी राजा को अपने किले में काम कराने के लिए गुलामों की आवश्यकता थी। उस समय उसके सैनिक ही गांव वालों को गुलाम बनाकर ले जा रहे थे। माधो जान बचाने के लिए घने जंगल में भाग गया। दिन बीतने पर माधो गांव लौटा, लेकिन वहां कोई नहीं था। उसके माता-पिता को भी निर्दयी सैनिक पकड़कर ले गए थे। माधो क्रोध से उबल पड़ा। वह राजा के किले की ओर चल दिया। वह किसी तरह गांव वालों को छुड़ाना चाहता था। किसी तरह छिपता हुआ माधो किले के अंदर पहुंचगया। गांव वालों के साथ उसके माता-पिता तपती धूप में राजा के खेतों में काम कर रहे थे। पानी मांगने पर सिपाही उन पर कोड़े बरसाते थे। तभी पास खड़ी एक गरीब बुढ़िया ने माधो से पूछा, तुम्हें क्या कष्ट है बेटा? मैं राजा की मालिन हूं।

माधो ने उसे सारी बात बताई। मालिन भी राजा की क्रूरता से बहुत दुखी थी। वह माधो को अपने घर ले गई। उसे माला गूथना सिखा दिया। फिर एक दिन उसे राजा से भी मिलवाया। राजा माधो की बनाई माला देखकर बहुत प्रसन्न हुआ। वह माधो को महल दिखाने लगा। माधो ने पूछा, महाराज, कोई शत्रु आपके महल में घुस आए तो?

राजा उसे दीवार में लगी एक मुठिया दिखाकर बोला, अगर ऐसा हुआ, तो हम यह मुठिया घुमा देंगे। किले के सारे पानी में बेहोशी की दवा घुल जाएगी। पानी पीने वाले बेहोश हो जाएंगे। थके-मांदे शत्रु के सैनिक आते ही पानी तो पिएंगे ही। फिर राजा ने माधो को एक बड़ी सी चाबी दिखाई और बोला, यह चाबी देखो, इससे हम किले का दरवाजा बंद कर देंगे। होश में आने पर फिर कोई बाहर नहीं निकल सकता।

मालिन ने माधो को नागगंध की एक माला बनाकर दी। उसे पहनते ही राजा और रानी गहरी नींद में सो गए। माधो ने जल्दी ही वह मुठिया घुमा दी। फिर राजा की जेब से किले की चाबी निकालकर महल से बाहर आ गया।

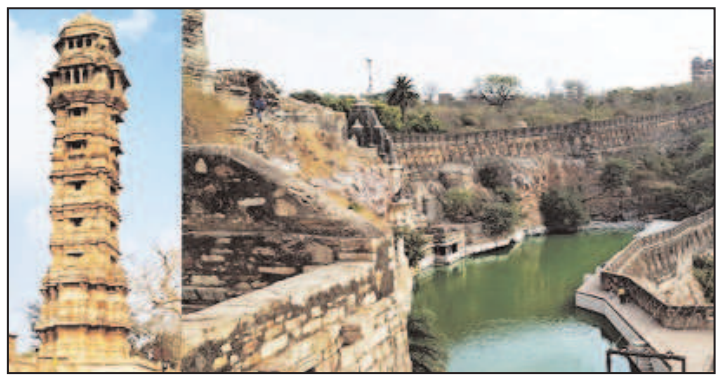

पानी पीते ही राजा के सैनिक बेहोश होकर गिरने लगे। गांव वाले पानी पीने दौड़े, तो माधो ने उन्हें पानी नहीं पीने दिया और फौरन किले से बाहर निकल जाने के लिए कहा। सब बाहर आ गए, तो माधो ने चाबी से फाटक को बंद कर दिया।

निर्दयी राजा अपने सिपाहियों के साथ अपने ही किले में बंद हो गया। गांव वाले उसके अत्याचार से मुक्त हो गए थे।

इस किले के परिसर में है 65 से अधिक ऐतिहासिक महल, मंदिर व जलाशय

चित्तौड़गढ़ किला जिसे चित्तोर दुर्ग के नाम से भी जाना जाता है भारत के प्राचीनतम किलो में से एक है.यह किला भारत ही नहीं अपितु विश्व भर में प्रसिद्व है.वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शुमार इस किलो देखने हर साल हजारो विदेशी सैलानी भारत आते है.

- चित्तौड़गढ़ किला जिसे मेवाड़ की राजधानी के नाम से भी जाना जाता हैउदाहरण के तोर पर यह किला प्राचीन समय में 834 सालो तक मेवाड़ की राजधानी रह चूका था.इसकी स्थापना 734 इक में मेवाड़ के सिसोदिया वंश के शासक बाप्पा रावल ने की थी.
- चित्तौड़गढ़ किला भारत का सबसे बड़ा किला माना जाता है.इसकी लम्बाई 3 किलोमीटर, त्रिज्या 13 किलोमीटर और यह किला लगभग 700 एकड़ जमीन पर फैला हुआ है.
- प्राचीन इतिहास के अनुसार ऐसा माना जाता है कि चितौड़गढ़ किले को सातवीं सदी में मौर्यों सासको द्वारा बनवाया गया था और इस किले का नाम मौर्य शासक चित्रांगदा मोरी के नाम पर रखा गया था.
- आपको जानकर हैरानी होगी इस किले के परिसर में लगभग 65 ऐतिहासिक निर्मित संरचनाएं जैसे मंदिर, महल, जलाशय, स्मारक इत्यादि बनाएं गए थे.
- चित्तौड़गढ़ किले में कुल साथ द्वार बनाएं गए थे जो प्राचीन समय में रात्रि के समय बंद कर दिए जाते थे.इन द्वारा पर लगे विशाल किवाड़ (दरवाजे) आज भी इस किले की मजबूती की गवाई देते है.
- प्राचीन समय में इन दरवाजो का नाम मुख्यता प्रथम पड़नपोल,दूसरा भैरव पोल, तीसरा हनुमान पोल, चतुर्थ गणेश पोल, पंचम जोरला पोल, छटा लक्ष्मण पोल व सातवे दरवाजे को राम पोल के नाम से जाना जाता था.
- इन दरवाजो के संदर्ब में कहाँ जाता है की प्राचीन समय में प्रत्येक दरवाजे पर द्वारपाल व पहरेदार 24 घंटे दरवाजो की निगरानी करते थे c प्रत्येक दरवाजे पर बड़े बड़े घंटे टाँगे गए थे जिन्हे बजा कर दरवाजो को खोला और बंद किया जाता था.
- इस किले में कई मंदिर स्थापित हैं जैसे कलिका मंदिर, जैन मंदिर, गणेश मंदिर, सम्मिदेश्वरा मंदिर, नीलकंठ महादेव मंदिर और कुंभश्याम मंदिर आदि
- इस किले के परिसर में बनाया गया पद्मिनी महल एक छोटे सरोवर के निकट स्थित बहुत ही खूबसूरत महल है.इस महल के अंदर सीसे कि नकाशी कि गई है जो दिखने में बेहद खूबसूरत लगती है.
- आपको जानकर हैरानी होगी चित्तौड़गढ़ किले में आज भी 22 जलनिकाय मौजूद है.इन जल निकायों में पानी का श्रोत्र प्राकृतिक भूमिगत जल और वर्षा से प्राप्त जल के द्वारा होता है.
- चितौड़गढ़ किले में बनाया गया भीमला जल भंडार भारत के प्राचीन इतिहास को समेटे हुए है. ऐसा माना जाता है पांडवो में भीम ने जमींन पर अपने हाथ के वार से पानी निकाल दिया था और भूमि के जिस हिस्से से पानी निकला उसे भीमला के नाम से जाना जाता है.
- चितौड़गढ़ किले के खम्बो पर की गई खूबसूरत चित्रकारी प्राचीन कलाकारी का उत्कृट नमूना है. ऐसा कहा जाता है इस चित्रकारी को बनाने में 10 वर्षो का समय लगा था.
- आपको जानकर हैरानी होगी इस किले में आज भी लोग निवास करते है.उदाहरण के तोर पर चितौड़गढ़ किले में लगभग 20000 लोग रहते है.
- यह किला राजस्थान के शासक राजपूतों, उनके साहस, बड़प्पन, शौर्य और त्याग का प्रतीक है
- राजस्थान में मनाया जाने वाला जोहर मेला इसी किले में मनाया जाता है.
- चित्तौड़गढ़ का किला अपनी स्थापत्य कला, निर्माण शैली व पर्यटक स्थलों जैसे महल, जलाशय, स्तंभ, इत्यादि के लिए विश्व भर में प्रसिद्व है.हर साल देश-विदेश सैलानी इस किले को देखने राजस्थान आते है.
- राजस्थान के पर्यटन विभाग द्वारा चितौड़गढ़ किले में बेहद खूबसूरत लाइटिंग की गई है जो रात के समय इस किले की खूबसूरती में चार चाँद लगा देती है.
- चितौड़गढ़ किले को यूनेस्को द्वारा साल 2013 में वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल किया गया था.

ऑटो कंपनियों में 6 एयरबैग के विकल्प को लेकर हो रही बैठकें

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने हाल ही में कारों में 6 एयरबैग को लेकर ऑटो मैन्यूफैक्चरिंग कंपनियों पर आश्चर्य जताते हुए कहा कि आखिर ऐसा क्यों है कि भारतीय बाजार में कंपनियां सभी कारों में 6 एयरबैग नहीं दे रही हैं। ऐसा विदेशी बाजारों में नहीं है। उन्होंने कहा था कि ऑटो कंपनियों को छोटी सस्ती कारों का उपरोग करने वाले लोगों की सुरक्षा के बारे में भी सोचना चाहिए। गडकरी का ये बयान आने के बाद ऑटो सेक्टर में हड़कंप मच गया है। कोई बयान तो नहीं आया है लेकिन सूत्रों के अनुसार अब ऑटो कंपनियों में 6 एयरबैग के विकल्प को लेकर बैठकें भी शुरू हो गई हैं। कुछ समय पहले केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कारों में एयरबैग की अनिवार्यता को लेकर बयान जारी किया था। जिसके बाद एबीएस और फ्रंट के दो एयरबैग को स्टैंडर्ड फीचर के तौर पर हर कार में देने का नियम बन गया था। अब एक बार फिर नितिन गडकरी ने 6 एयरबैग को लेकर बयान दिया है। अब माना जा रहा है कि जल्द ही ऐसा कोई नियम आ सकता है जिसके बाद 6 एयरबैग स्टैंडर्ड फीचर के तौर पर सभी गाड़ियों में अनिवार्य हो जाए।

चालू वित्त वर्ष में व्यापार घाटा बढ़कर 124.5 अरब डॉलर पर

मुंबई। भारत का चालू खाते का घाटा (कैड) वित्त वर्ष 2022-23 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के तीन प्रतिशत के भीतर रह सकता है। बीते वित्त वर्ष में यह 1.2 प्रतिशत पर था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अनुमान के मुतो बिक भारत का व्यापार घाटा चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों में बढ़कर 124.5 अरब डॉलर हो गया है। एक साल पहले के इसी अवधि में यह 54 अरब डॉलर था। एक लेख में कहा गया है कि पिछले कुछ महीनों में कच्चे तेल की वायदा कीमतों में नरमी आई है। वनस्पति तेलों और उर्वरकों की अंतरराष्ट्रीय कीमतें भी पहले की तुलना में अधिक नरम दिख रही हैं। लेख में कहा गया है कि एक और अच्छी बात यह है कि अगस्त में पेट्रोलियम पदार्थों के निर्यात में भी सालाना आधार पर सुधार आया है। लेख के अनुसार कुल मिलाकर 2022-23 के लिए वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात 750 अरब डॉलर के लक्ष्य को हासिल कर सकता है। इसके अलावा प्रवासी भारतीयों द्वारा धन प्राप्त करने के मामले में भारत दुनिया में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। देश में पिछले वित्त वर्ष के दौरान प्रवासी भारतीयो से रिकॉर्ड 90 अरब डॉलर का धन आया था। चालू वित्त वर्ष में इसके रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने की उम्मीद है। केंद्रीय बैंक ने साफ किया है कि लेख में व्यक्त की गई राय लेखकों की हैं और रिजर्व बैंक के विचारों का नहीं दर्शाती है।

वाणिज्य मंत्रालय ने रुपए में व्यापार सौदों के निपटान की मंजूरी दी

नई दिल्ली । वाणिज्य मंत्रालय ने घरेलू मुद्रा में अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए भारतीय रुपए में बिल बनाने, भुगतान करने और आयात-निर्यात सौदों के निपटान की मंजूरी दे दी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जुलाई में बैंकों से कहा था कि वे निर्यात एवं आयात सौदे रुपए में संपन्न कराने के लिए अतिरिक्त इंतजाम करें। भारतीय मुद्रा के प्रति वैश्विक कारोबारी समुदाय की बढ़ती दिलचस्पी को देखते हुए आरबीआई ने यह सुविधा शुरू करने का प्रस्ताव रखा था। आरबीआई के इस निर्णय के अनुरूप वाणिज्य मंत्रालय के तहत गठित विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने अब विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) में एक नया पैराग्राफ जोड़ा है। डीजीएफटी ने एक अधिसूचना में कहा है कि आरबीआई के 11 जुलाई, 2022 के परिपत्र के अनुरूप पैराग्राफ 2.52 (डी) को अधिसूचित किया गया है जो भारतीय रूपये में आयात-निर्यात सौदों के निपटान, बिल बनाने और भुगतान की अनुमति देता है। इस अधिसूचना के जारी होने के बाद अब व्यापार सौदों का निपटान भारतीय रुपए में भी किया जा सकता है। इसके लिए भारत में अधिकृत डीलर बैंकों द्वारा विशेष वोस्ट्रो खाते खोलने जरूरी होंगे। इस मंजूरी के बाद भारतीय आयातक इस व्यवस्था के जरिये अपने आयात का भुगतान भारतीय रुपए में कर पाएंगे।

महिलाओं को भी उद्यमों, कंपनियों में नेतृत्वकारी भूमिका निभाना चाहिएः सीतारमण

मुंबई ।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने महिला उद्यमियों से नेतृत्वकारी भूमिका निभाने का आह्वान किया। सीतारमण ने बीएसई मुख्यालय में महिला निदेशकों के सम्मेलन में कहा कि कॉरपोरेट जगत में बड़े पदों पर कार्यरत महिलाओं की संख्या पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा महिलाओं में यह भावना बैठ गई है कि उन्हें नेतृत्व की भूमिका में होने के लिए खुद को बार-बार साबित करने की जरूरत है। इसका समाधान उन्हें इस मामले में मार्गदर्शन तथा समर्थन देकर निदेशक मंडल में शामिल करना है। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि आंकड़ों के अनुसार, घरेलू कंपनियों के निदेशक मंडल में महिलाओं की औसत संख्या 1.03 प्रतिशत थी और उनमें से 58 प्रतिशत स्वतंत्र निदेशक हैं, जबकि 42 प्रतिशत गैर-स्वतंत्र निदेशक हैं। सीतारमण ने कंपनियों से अपने निदेशक मंडल में अधिक महिलाओं को शामिल करने का अनुरोध करते हुए कहा कि विश्वस्तर पर यह साबित हो गया है कि जिन कंपनियों के निदेशक मंडल में अधिक महिला अधिकारी हैं, वे अधिक लाभदायक और समावेशी हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं स्त्री-पुरुष समानता और समावेशिता की मांग नहीं कर रही हैं। यदि आप लाभ चाहते है, तो हमें शामिल करें। अब आप हमें नज़रअंदाज़ नहीं कर सकते। केंद्रीय मंत्री ने यह भी स्वीकार किया कि कंपनियों में महिला अधिकारियों की संख्या को बढ़ाने की आवश्यकता है। सीतारमण ने कहा कि कॉरपोरेट मामलों का मंत्रालय महिला निदेशकों की नियुक्ति के संबंध में कंपनी कानून के प्रावधानों से बचने के लिए कंपनियों के प्रयासों पर नजर रख रहा है।

पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में क्रूड ऑयल 91 डॉलर प्रति बैरल के आसपास चल रहा है। क्रूड ऑयल की गिरती कीमतों का असर फिलहाल घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल पर नहीं दिख रहा है। सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी ताजा रेट के अनुसार श निवार को भी तेल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.69 रुपए और डीजल 89.86 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.23 रुपए और डीजल 89.42 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.36 रुपए और डीजल 89.56 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.80 रुपए और डीजल 94.56 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

डीजल और एटीएफ का निर्यात हुआ सस्ता

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने डीजल और हवाई जहाज के एटीएफ (विमान ईंधन) के निर्यात पर लगने वाले विंडफाल गेन टैक्स में भी कमी की है। घरेलू स्तर पर उत्पादित क्रूड ऑयल पर शुल्क को भी घटा दिया गया है। हालांकि पेट्रोल को इससे दूर रखा गया है। वित्त मंत्रालय से जारी एक आधिकारिक अधिसूचना के मुताबिक डीजल के निर्यात पर टैक्स 13.50 रुपए प्रति लीटर से घटा कर 10 रुपए कर दिया गया है। इसी महीने की पहली तारीख को इसे 7 रुपए से बढ़ा कर 13.5 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया था। एटीएफ के निर्यात पर भी विंडफाल गेन टैक्स 9 रुपए प्रति लीटर से घटा कर 5 रुपए कर दिया गया है। इस महीने की शुरूआत में इसे दो रुपए प्रति लीटर से बढ़ा कर 9 रुपए कर दिया गया था। पेट्रोल के निर्यात पर जीरो टैक्स की व्यवस्था जारी रहेगी। इससे पहले बीते 18 अगस्त को सरकार ने डीजल के निर्यात पर लगने वाला विंडफाल गेन टैक्स को 5 रुपए से बढ़ा कर 7 रुपए प्रति लीटर किया था। उससे भी पहले बीत दो अगस्त को डीजल पर विंडफाल गेन टैक्स को 11 रुपए से घटा कर पांच रुपए प्रति लीटर किया गया था। अधिसूचना के अनुसार घरेलू स्तर पर उत्पादित क्रूड ऑयल पर टैक्स 13,300 रुपए प्रति टन से घटा कर 10,500 रुपए कर दिया गया है। इससे पहले इसी महीने की पहली तारीख को इसे 13,000 रुपए से बढ़ा कर 13,300 रुपए प्रति टन कर दिया गया था। बीते 18 अगस्त को इस पर लगने वाले टैक्स को 17,750 रुपए प्रति टन से घटाकर 13,000 रुपए प्रति टन किया गया था। सरकार के इस कदम से ओएनजीसी और वेदांता लिमिटेड जैसे क्रूड प्रोड्यूसरों का मुनाफा बढ़ेगा।

टोयोटा 28 को एक नई कार से उठाएगी पर्दा

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने की घोषणा

नई दिल्ली ।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने घोषणा की है कि जानीमानी कंपनी टोयोटा 28 सितंबर को एक नई कार से पर्दा उठाएगी। मंत्री ने यह नहीं बताया कि टोयोटा किस मॉडल का खुलासा करेगी। हालांकि, उन्होंने कहा कि वह नई दिल्ली में नई फ्लेक्स-फ्यूल पावर्ड कार का अनावरण करेंगे।खास बात यह है कि यह कार फ्लेक्स फ्यूल से चलेगी। यह भारतीय बाजार में पहली फ्लेक्स-फ्यूल से चलने वाली कार होगी। इस जानकारी की घोषणा दूसरे ऑटोमोबाइल कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के वार्षिक सत्र में की गई है। फ्लेक्स फ्यूल शब्द फ्लेक्सिबल फ्यूल का एक संक्षिप्त रूप है। इसे पेट्रोल के विकल्प के रूप में माना जा सकता है, जिसका उपयोग कई वाहन करते हैं। फ्लेक्स फ्यूल को पेट्रोल और इथेनॉल या मेथनॉल के कॉम्बिनेशन से बनाया जाता है। फ्लेक्स फ्यूल को पर्यावरण के लिए क्लीनर है, क्योंकि इथेनॉल या मेथनॉल पेट्रोल की तुलना में अधिक कुशलता से जलता है, जिससे प्रदूषण कम होता है। गन्ने और मकई जैसे कृषि उत्पादों से इथेनॉल का उत्पादन स्थायी रूप से किया जा सकता है। इसलिए, अन्य देशों से पेट्रोल आयात करने के बजाय इथेनॉल का मिश्रण एक बेहतर प्रस्ताव लगता है। ब्राजील, जर्मनी और फ्रांस जैसे कुछ देश पहले से ही फ्लेक्स फ्यूल और फ्लेक्स-फ्यूल इंजन का उपयोग कर रहे हैं। फ्लेक्स-फ्यूल इंजन की बात करें तो हर इंजन फ्लेक्स-फ्यूल पर नहीं चल सकता। एक रेगुलर इंजन केवल एक प्रकार के ईंधन पर चल सकता है जबकि फ्लेक्स-फ्यूल इंजन पेट्रोल के साथ 83 प्रतिशत तक इथेनॉल से चल सकता है। हालांकि, फ्लेक्स-फ्यूल को सपोर्ट करने के लिए रेगुलर इंजन में बदलाव किया जा सकता है।भारत फ्लेक्स-फ्यूल पर फोकस कर रहा है, क्योंकि अभी हम ज्यादातर पेट्रोल-डीजल अन्य देशों के आयात करते हैं।

शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा

बीते सप्ताह शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव रहा

मुंबई ।

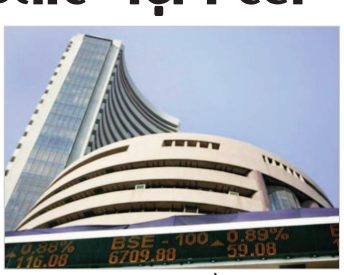

बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच कारोबार हुआ ले किन सेंसेक्स और निफ्टी बीते सप्ताह के मुकाबले लगभग दो फीसदी गिरावट पर बंद हुए। बाजार के विशेषज्ञों ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में मंदी की आशंका और विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारी बिकवाली से भी बाजार की धारणा पर असर पड़ा। बीते सप्ताह शेयर बाजार में तीन दिन तेजी और दो दिन गिरावट देखी गई। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों का सूचकांक सेंसेक्स 274.07 अंक चढ़कर 60,067.21 पर खुला और 321.99 अंक की मजबूती के साथ तीन सप्ताह के उच्चस्तर 60,115 पर बंद हुआ। वहीं व्यापक एनएसई निफ्टी 79.45 अंक बढ़कर 17,910.50 पर खुला और 103 अंक की वृद्धि के साथ 17,936.35 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 359.49 अंक की बढ़त के साथ 60,474.62 पर खुला और 455.95 अंक के उछाल के साथ 60,571.08 पर बंद हुआ। निफ्टी 111.35 अंक की बढ़त के साथ 18,047.70 पर खुला और 133.70 अंक की मजबूती के साथ 18,070.05 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 530.36 अंक टूटकर 60,040 पर खुला और 224.11 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ। निफ्टी 150.75 अंक गिरकर 17,919.30 पर खुला और 66.30 अंक की गिरावट के साथ 18,003.75 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 329.15 अंक चढ़कर 60,676.12 पर खुला और 412.96 अंक लुढ़ककर 59,934.01 पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई निफ्टी 92.4 अंक बढ़कर 18,096.15 पर खुला और 126.35 अंक की गिरावट के साथ 17,877.40 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 538.2 अंक टूटकर 59,395.81 पर खुला और 1.82 प्रतिशत लुढ़ककर 58,840.79 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 161.3 अंक गिरकर 17,716.10 पर खुला और 1.94 प्रतिशत की गिरावट के साथ 17,530.85 पर बंद हुआ।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 550.87 अरब डॉलर हुआ

मुंबई । भारत का विदेशी मुद्रा भंडार नौ सितंबर को समाप्त सप्ताह में 2.23 अरब डॉलर घटकर 550.87 अरब डॉलर रह गया। इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 7.94 अरब डॉलर घटकर 553.10 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक द्वारा जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों (एफसीए) में गिरावट से विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट आई है। समीक्षाधीन सप्ताह में एफसीए 2.51 अरब डॉलर घटकर 489.59 अरब डॉलर रह गया। पिछले हफ्ते की गिरावट के बाद इस समय मुद्रा भंडार 2 साल के निचले स्तर पर आ गया है। लगभग 600 अरब डॉलर से यह गिरते-गिरते अब 550 अरब डॉलर के आसपास आ गया है। पिछले हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार की गिरावट पर विशेषज्ञ नें कहा कि हालिया गिरावट की मुख्य वजह रिजर्व बैंक द्वारा बड़ी मात्रा में डॉलर की बिकवाली है। रुपए की कमजोरी से निपटने के लिए आरबीआई ने पिछले दिनों यह कदम उठाया जिसका असर मुद्रा भंडार पर दिख रहा है। इस समय भी यह कारण हावी है । हालांकि, इस दौरान स्वर्ण भंडार 34 करोड़ डॉलर बढ़कर 38.64 अरब डॉलर पर पहुंच गया। 2 सितंबर को समाप्त सप्ताह में सोने का भंडार 38.303 अरब डॉलर पर था। उस समय इसमें 1.339 अरब डॉलर की गिरावट देखी गई थी। अब इसमें और गिरावट देखने को मिल रही है। भारत का व्यापार घाटा चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों में बढ़कर 124.5 अरब डॉलर हो गया है. एक साल पहले के इसी अवधि में यह 54 अरब डॉलर था।

70 करोड़ डॉलर का आईपीओ लाने की तैयारी में दवा कंपनी मैनकाइंड फार्मा

मुंबई। अगर आप आईपीओ में निवेश करने का मन बना रहे हैं, तब आपके लिए अच्छी खबर है। निवेशकों के पास निवेश करने और कमाई का मौका है। भारत की सबसे बड़ी अनलिस्टेड फार्मा कंपनियों में से एक मैनकाइंड फार्मा अपना आईपीओ लाने जा रही है। मैनकाइंड फार्मा ने बाजार नियामक सेबी के पास ड्राफ्ट हेरिंग प्रॉस्पेक्टस फाइल कर दिया है। कंपनी का यह आईपीओ 70 करोड़ डॉलर यानी करीब 5587 करोड़ रुपये से ज्यादा का हो सकता है। कंपनी ने 2022 में अपना मेगा आईपीओ लांच करने के लिए इनवेस्टमेंट बैंकर्स के साथ शुरुआती बातचीत काफी पहले ही शुरू कर दी थी। गौरतलब है कि कंपनी में क्रिसकैपिटल के अलावा कैपिटल इंटरनेशनल और सिंगापुर की जीआईसी का भी कंपनी में निवेश है। यह एक कैश रिच कंपनी है और कंपनी का आईपीओ मुख्य रूप से ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के तहत सामने आ सकता है। अगर कंपनी ये आईपीओ लाती है, तब ये फार्मा सेक्टर में दूसरा सबसे बड़ा आईपीओ हो सकता है। इस सेक्टर में सबसे बड़े आईपीओ का रिकॉर्ड ग्लैंड फार्मा के नाम पर है। ग्लैंड फार्मा नवंबर साल 2020 में 86,9 करोड़ डॉलर का आईपीओ लाई थी। मैनकाइंड फार्मा साल 1991 में स्थापित हुई थी। ये भारत की प्रमुख दवा कंपनियों में से एक है। ब्रांडेड जेनेरिक दवाओं के अलावा, कंपनी के प्रमुख ब्रांडों में प्रेगा-न्यूज प्रेग्नेंसी टेस्टिंग किट, मैनफोर्स कंडोम, गैस-ओ-फास्ट आयुर्वेदिक एंटासिड और मुंहासे का इलाज करने वाली दवा एक्नेस्टार शामिल हैं। 31 मार्च, 2022 तक कंपनी के पास हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, राजस्थान, आंध्र प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों सहित पूरे भारत में 23 मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी है। भारत के बाद, इसके प्रमुख बाजार संयुक्त राज्य अमेरिका, बांग्लादेश, श्रीलंका और नेपाल हैं। साल 2015 में, कैपिटल इंटरनेशनल ने 200 मिलियन डॉलर में क्रिसकैपिटल से मैनकाइंड में 11 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी थी। रिपोर्टस के मुताबिक, आईपीओ में कंपनी के प्रमोटरों और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 4 करोड़ (40,058,844) इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) शामिल होगी। कंपनी के प्रमोटर रमेश जुनेजा, राजीव जुनेजा, शीतल अरोड़ा, रमेश जुनेजा फैमिली ट्रस्ट, राजीव जुनेजा फैमिली ट्रस्ट और प्रेम शीतल फैमिली ट्रस्ट हैं।

यूपी की चीनी मिलों पर गन्ना किसानों का 4,832 करोड़ बकाया

नई दिल्ली ।

उत्तर प्रदेश की चीनी मिलों पर एक सितंबर तक गन्ना किसानों का 4,832 करोड़ रुपए बकाया है। यह आंकडा इस महीने के ओ खिर में समाप्त होने वाले पेराई सत्र 2021-22 के लिए है। वहीं खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों की राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति के अनुसार कुल बकाया का 30,368.73 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। मंत्री ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सांसद कुंवर दानिश अली को आठ सितंबर को लिखे एक पत्र में यह जानकारी दी है। इस पत्र को बाद में सोशल मीडिया मंच ट्विटर पर भी साझा किया गया। गन्ना पेराई का मौसम अक्टूबर से सितंबर तक चलता है। गौरतलब है कि अली ने पांच अगस्त को लोकसभा में गन्ना बकाए का मुद्दा उठाया था। इसके जवाब में मंत्री ने कहा कि विपणन वर्ष 2021-22 अक्टूबर-सितंबर के लिए कुल देय राशि 35,201.22 करोड़ रुपए है और इसमें से चीनी मिलों ने किसानों को 30,368.73 करोड़ रुपए का भुगतान किया है। वर्तमान में मिलों द्वारा गन्ना किसानों को 4,832.49 करोड़ रुपए की राशि का भुगतान किया जाना बाकी है। ये आंकड़े राज्य सरकार द्वारा एक सितंबर तक एकत्र किए गए आंकड़ों पर आधारित हैं।

चावल की थोक कीमतों में आई गिरावट, सरकार के निर्यात पर पाबंदी का दिखा असर

नई दिल्ली ।

आसमान छूती महंगाई और बाजार की अस्थिरता को संतुलित बनाए रखने के लिए सरकार की कोशिशें जारी है। ऐसे में गेहूं-चावल के आयात पर रोक भी ऐसा ही एक कदम है। सरकार के टूटे चावल के निर्यात पर बैन लगाने और गैर-बासमती पर 20 पर्सेंट एक्सपोर्ट ड्यूटी लगाने का असर अब घरेलू बाजार पर दिखने लगा है। बाजार में चावल सस्ता होने लगा है। पिछले एक हफ्ते में थोक में चावल की कीमतों में 100 से 200 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट देखने को मिली है। चावल की कीमतों में गिरावट के बारे में विस्तार से बताते हुए असीम मनचंदा ने कहा कि पिछले एक हफ्ते में चावल के दाम में गिरावट देखने को मिली है। थोक में चावल के भाव 100 रुपये से 200 रुपये प्रति क्विंटल तक गिरे हैं, हालांकि रिटेल के कीमतों में गिरावट आने में थोड़ा वक्त लगेगा। असीम ने गिरावट की वजह बताते हुए कहा कि 9 सितंबर से सरकार ने टुकड़ा चावल के निर्यात को बैन कर दिया है। इसके साथ ही सरकार ने गैर-बासमती चावल पर 20 प्रतिशत निर्यात ड्यूटी लगाई है, जिसकी वजह से चावल की थोक कीमतें नीचे आती हुई दिखी हैं। सरकार द्वारा ड्यूटी लगाने की वजह से चालू वित्त वर्ष में 40-50 लाख टन चावल का एक्सपोर्ट गिरने की आशंका है। बता दें कि साल 2021-22 में 2.12 करोड़ टन चावल का निर्यात हुआ था। वहीं, चावल के ग्लोबल ट्रेडिंग में भारत की 40 प्रतिशत हिस्सेदारी रहती है। पिछले 4 साल में टुकड़ा चावल का निर्यात 3 गुना बढ़ा था। आंकड़ों के मुताबिक 2021-22 में 38.9 लाख टन टूटे चावल का निर्यात किया गया था, जबकि 2018-19 में सिर्फ 12.2 लाख टन चावल का निर्यात हुआ था। वहीं, अबकी बार 9 सितंबर तक धान की बुआई में 5.34 प्रतिशत की कमी भी देखने को मिली है। आंकड़ों के लिहाज से देखें तो भारत का चावल निर्यात 2019-20 में 95.1 लाख टन रहा था। जबकि 2020-21 में चावल निर्यात 1.77 करोड़ टन रहा था।

अगस्त तक 7.70 करोड़ लोगों ने घरेलू उड़ानों के जरिये यात्रा की

नई दिल्ली ।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कहा कि इस साल जनवरी से अगस्त के दौरान कुल 7.70 करोड़ लोगों ने घरेलू उड़ानों के जरिये यात्रा की। इसमें सालाना आधार पर 67.38 प्रतिशत और मासिक आधार पर 50.96 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की घरेलू बाजार में अगस्त के दौरान हिस्सेदारी 57.7 प्रतिशत रही, जो जुलाई में 58.8 प्रतिशत थी। डीजीसीए के आंकड़ों के अनुसार विस्तार की आलोच्य माह में कुल घरलू यात्रियों की संख्या में हिस्सेदारी 9.7 प्रतिशत रही, जो जुलाई में 10.4 प्रतिशत थी। देश की नई एयरलाइन आकाश ने इस दौरान घरेलू बाजार में 0.2 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल की। कंपनी ने सात अगस्त को परिचालन शुरू किया है। एयर एशिया समय पर प्रदर्शन के मामले में पिछले महीने शीर्ष स्थान पर रही जबकि विमानों में सीटों के मुकाबले क्षमता उपयोग स्पाइसजेट में सबसे अधिक 84.6 प्रतिशत का रहा।

इसके अलावा विस्तार और इंडिगो के विमानों में क्षमता उपयोग 84.4 प्रतिशत रहा जबकि गो फर्स्ट, एयर इंडिया, एयरएशिया और अलायंस एयर में यह क्रमशः 81.6 प्रतिशत, 73.6 प्रतिशत, 74.9 प्रतिशत और 65.5 प्रतिशत था। कोविड-19 महामारी से प्रभावित होने के बाद देश का विमानन क्षेत्र में सुधार हो रहा है।

नीरज चोपड़ा ने स्विट्जरलैंड में सफल सीजन का जश्न मनाया

ज्यूरिख । ज्यूरिख डायमंड लीग में ट्रॉफी के साथ अपना अंतरराष्ट्रीय सीजन समाप्त करने के बाद ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा स्विट्जरलैंड में स्काईडाइविंग और जेटबोटिंग जैसे खेलों के साथ अपनी जीत का जश्न मना रहे हैं। वर्तमान में स्विट्जरलैंड में छुट्टियां मना रहे चोपड़ा ने पहले देश के लिए मेडल अपने नाम किए हैं। अब कुछ समय के साथ स्काईडाइविंग से लेकर जेटबोटिंग का अपने करीबी चचेरे भाई, कोच और चाचा के साथ मजा ले रहे हैं। अपने हालिया पोस्ट में नीरज स्विस आल्प्स में अपने भाला के साथ पोज देते हुए नजर आ आए थे। हाल ही में एथलीट ने स्विटजरलैंड के लुसाने में टोक्यो 2020 से अपने स्वर्ण पदक विजेता भाला को ओलंपिक संग्रहालय को उपहार में दिया। चोपड़ा अपना अधिकांश समय स्विट्जरलैंड के खूबसूरत देश में बिता रहे हैं। उन्होंने यूरोप की छत माने जाने वाले जंगफ्राजोच में स्नो-ट्यूबिंग और टोबोगनिंग की एक झलक के साथ एक रील भी साझा की, और कैप्शन दिया %हैविंग स्नो मच फन%।

महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी को जीत से विदाई देने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे में उतरेगा भारत

होव ।

भारतीय महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी खेल के अंतिम तौर में सफर कर रही है उनको जीत के साथ विदाई देनी है तो उसे इंग्लैंड के खिलाफ रविवार (18 सितंबर) से शुरू होने वाली वनडे सीरीज में खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। भारत के लिए टी20 सीरीज अच्छी नहीं रही जिसमें उसने विशेष रूप से बल्लेबाजी और फील्डिंग में खराब प्रदर्शन किया। इंग्लैंड की चोटिल कप्तान हीथर नाइट सहित तीन खिलाड़ी इस सीरीज में नहीं खेल पाएंगे। ऐसे में भारत के पास इंग्लैंड को उसकी धरती पर हराने का अच्छा मौका होगा।

भारत के मिडिल ऑर्डर की समस्या लंबे समय से बनी हुई है और इंग्लैंड के खिलाफ तीन टी20 मैचों में भी टीम प्रबंधन इसका समाधान नहीं ढूंढ पाया। डी हेमलता को मध्यक्रम में आजमाया गया लेकिन वह प्रभाव नहीं छोड़ पाई। जेमिमा रोड्रिग्स को भले ही टीम में लिया गया है लेकिन उनकी फिटनेस पर सवालिया निशान लगा हुआ है। वह चोटिल होने के कारण 'द हंड्रेड' प्रतियोगिता से हट गई थी। टी20 टीम से बाहर की गई यास्तिका भाटिया पर अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव होगा। भारतीय बल्लेबाजी जहां स्मृति मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर पर निर्भर रहेगी। वहीं सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को अपने प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। झूलन इस सीरीज के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगी। वह इस सीरीज को यादगार बनाने की कोशिश करेंगी लेकिन भारत के तेज गेंदबाजी विभाग की अन्य सदस्य प्रभावशाली प्रदर्शन करने में असफल रही हैं। हाल में रेणुका सिंह ने कुछ उम्मीद जगाई है लेकिन भारत अब भी स्पिनरों पर अधिक निर्भर है। पूजा वस्त्राकर, स्नेह राणा और दीप्ति शर्मा अपने प्रदर्शन के आधार पर टीम में जगह बनाने की हकदार हैं, लेकिन सवाल उठता है कि क्या अंतिम एकादश में विशेषज्ञों के बजाय तीन ऑलराउंडर को रखना सही विकल्प होगा। यह सीरीज आईसीसी वनडे महिला चैंपियनशिप का हिस्सा होगी जिससे 2025 में होने वाले विश्वकप के क्वालीफायर का फैसला किया जाएगा। जहां तक इंग्लैंड का सवाल है तो नाइट की अनुपस्थिति में एमी जोन्स टीम की अगुवाई करेंगी। टी20 सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करने वाली एलिस कैप्सी और फ्रेया केम्प को पहली बार वनडे टीम में जगह दी गई है।

टी20 मुकाबले में पीली जर्सी में भारतीय टीम को चुनौती देंगे तूफानी हिटमैन टिम डेविड

नई दिल्ली ।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 20 सितंबर से 3 टी20 मैचों की श्रृंखला खेली जाएगी। इस श्रृंखला में टिम डेविड को भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में जगह मिली है। उनके डेब्यू की संभावना इसलिए भी ज्यादा है, क्योंकि मिचेल मार्श और मार्कस स्टोइनिस चोटिल होने के कारण इस दौरे से हट गए हैं। ऐसे में सिंगापुर की तरफ से 14 टी20 खेल चुके डेविड 20 सितंबर को मोहाली में होने वाले पहले टी20 में पीली जर्सी में नजर आ सकते हैं। डेविड सिंगापुर में पैदा हुए हैं, लेकिन, पले-बढ़े वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया में हैं। उनकी शुरुआती पढ़ाई-लिखाई पर्थ में ही हुई है। उन्हें 2018-19 में वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया ने कॉन्ट्रैक्ट ऑफर किया था। लेकिन, वह सीनियर टीम में जगह नहीं बना पाए। इस नाकामी के बाद उन्होंने टी20 क्रिकेट का रुख कर लिया और सिंगापुर की तरफ से 3 साल पहले विश्व कप क्वालिफायर खेला था। अगले साल उन्होंने बिग बैश लीग में डेब्यू किया था। डेविड ने कम समय में ही टी20 क्रिकेट में पावर हिटर बल्लेबाज के रूप में अपनी पहचान बुलंद की। वह आईपीएल-2022 में रोहित शर्मा की टीम मुंबई इंडियंस की तरफ से खेले थे। हालांकि, उन्हें शुरू में मौके कम मिले। लेकिन, जब मुंबई प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई थी, तब टीम मैनेजमेंट ने इस पावर हिटर बल्लेबाज को मौका दिया और कुछ मुकाबलों में ही डेविड ने यह बता दिया कि उन्हें क्यों इस फॉर्मेट में हालिया दौर का सबसे खतरनाक बल्लेबाज माना जा रहा है। उन्होंने 8 मैच में रन तो 186 ही बनाए। लेकिन स्ट्राइक रेट 216 का रहा। डेविड ने दिसंबर 2020 के बाद जितनी भी फ्रेंचाइजी टीमों की तरफ से टी20 क्रिकेट खेला है, उसमें यह स्ट्राइक रेट सबसे ज्यादा है। इस अवधि में डेविड का टी20 में सबसे कम स्ट्राइक रेट कैरेबियन प्रीमियर लीग में सेंट लूसिया किंग्स की तरफ से खेलते हुए रहा। उन्होंने इस फ्रेंचाइजी की तरफ से 144 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। डेविड ने इस दौरान सबसे अधिक रन बिग बैश लीग फ्रेंचाइजी होबार्ट हरीकेन्स के लिए बनाए। उन्होंने इस टीम के लिए 158 के स्ट्राइक रेट से 497 रन ठोके। डेविड ने इन दो सालों में सीपीएल, आईपीएल, बिग बैश लीग, पाकिस्तान सुपर लीग और द हंड्रेड जैसे सभी फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट में शिकरत की।

महारानी को श्रद्धांजलि देने के बाद इंग्लिश प्रीमियर लीग शुरू, फुल्हम और विला जीते

लंदन । महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की याद में मौन रखने और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल प्रतियोगिता फिर से शुरू हो गई है। फुल्हम और एस्टन विला अपने मैच जीतने में सफल रहे हैं। सिटी ग्राउंड में नॉटिघम फॉरेस्ट के कोच स्टीव कूपर और फुल्हम के कोच मार्को सिल्वा ने अपनी टीमों की तरफ से महारानी को पुष्पांजलि अर्पित की। दूसरी तरफ विला पार्क में प्रकाश धुंधला कर दिया गया और महारानी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके बाद एस्टन विला और साउथम्पटन के खिलाड़ियों के सामने 'गॉड सेव द किंग' गीत गाया गया। इन दोनों मैच में जब खेल 70वें मिनट में पहुंचा तो दर्शकों ने खड़े होकर महारानी की याद में तालियां बजाई। महारानी का 70 साल तक राजगद्दी संभालने के बाद पिछले सप्ताह निधन हो गया था। फुल्हम ने पहले हाफ में पिछड़ने के बाद दूसरे हाफ में छह मिनट के अंदर तीन गोल करके नॉटिंघम फॉरेस्ट हो 3-2 से हराया जबकि एस्टन विला ने साउथम्पटन को 1-0 से पराजित किया।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट में सहवाग-गंभीर-पठान शामिल, अंपायरिंग महिलाओं के हवाले

नई दिल्ली ।

क्रिकेट को लेकर देश में लोगों की दीवनगी हद तक है और इसके विभिन्न फार्मेट चल रहे है अब भारत के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी वीरेंद्र सहवाग से लेकर गौतम गंभीर तक लीजेंड्स लीग क्रिकेट में शामिल हो रहे हैं। 16 सितंबर को इसका स्पेशल मैच भी खेला गया। इसमें इंडिया महाराज ने वर्ल्ड जॉयंट्स को हराया। आज से 4 टीमों का मेन टूर्नामेंट शुरू हो रहा है। इसमें इरफान पठान और हरभजन सिंह भी शामिल हो रहे हैं। लेकिन इस टी20 टूर्नामेंट की खासियत ये है कि यहां अंपायरिंग का जिम्मा सिर्फ महिलाओं को दिया गया है। ऐसे में यह टूर्नामेंट दूसरों से अलग हो जाता है। इससे पहले जनवरी में मस्कट में भी इसके मुकाबले खेले गए थे। वहां भी सिर्फ महिला अंपायर्स और रेफरी को मैच कराने का जिम्मा मिला था। मस्कट में आयोजित टूर्नामेंट में बतौर मैच ऑफिशियल के तौर पर शामिल हुईं सुबधा भोसले ने कहा कि आयोजकों को इसके लिए शुक्रिया अदा किया जाना चाहिए कि पुरुष टूर्नामेंट में पूरी जिम्मेदारी उन्हें दी गई। पिछले दिनों एमसीसी में बतौर अध्यक्ष पहली बार महिलाओं को मौका दिया गया था। पाकिस्तान की अंपायर हुमैरा फराह भी मस्कट गई थीं। उन्होंने कहा कि मैं देश की पहली महिला अंपायर थी। अब संख्या बढ़कर 15 हो गई है। मैंने अब तक लगभग 150 मैचों में अंपायरिंग की है। यहां का अनुभव

बेहतरीन रहा। लीजेंड्स लीग क्रिकेट के मुकाबले टी20 फॉर्मेट के आधार पर खेला जाएगा। 4 टीमें इंडिया कैपिटल्स, गुजरात जायंट्स, मणिपाल टाइगर्स और भीलवाड़ा किंग्स की टीमें उतर रही हैं। सभी टीमें एक-दूसरे से 2 भिड़ेंगी। लीग राउंड के कुल 12 मुकाबले खेले जाएंगे। टॉप-2 टीमों के बीच क्वालिफायर खेला जाएगा। यह मैच जीतने वाली टीम फाइनल में प्रवेश कर जाएगी। हारने वाली टीम एलिमिनेटर में प्वाइंट टेबल की नंबर-3 टीम से भिड़ेगी। फाइनल 5 अक्टूबर को खेला जाना है। आज का मैच कोलकाता में गुजरात जायंट्स और इंडिया कैपिटल्स के बीच खेला जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

कार्लोस अल्काराज डेविस कप टेनिस टूर्नामेंट में अलियासिम से हारे

नई दिल्ली । अमेरिकी ओपन चैंपियन और विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज डेविस कप टेनिस टूर्नामेंट में फेलिक्स ऑगर अलियासिम से हार गए। कनाडा मुकाबले में स्पेन को 2-1 से हराकर उलटफेर करने में सफल रहा। अलियासिम ने 19 वर्षीय अल्काराज से पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके जीत दर्ज की। विश्व में 13वीं रैंकिंग के अलियासिम ने कहा, वह विश्व में नंबर एक खिलाड़ी है, इसका श्रेय उसे जाता है लेकिन मुझे लगता है कि तीसरे सेट में मैंने उससे थोड़ा बेहतर खेल दिखाया। रॉबर्टो बॉतिस्ता ने दूसरे एकल में वासेक पोस्पिसिल को पराजित करके स्पेन को पहला अंक दिलाया। अब सारा दारोमदार युगल मैच पर टिका था जिसमें ऑगर अलियासिम और पोस्पिसिल ने मार्सेल ग्रेनोलर्स और पेड्रो मार्टिनेज को हराकर कनाडा की जीत सुनिश्चित की। वहीं कनाडा का अगला मुकाबला सर्बिया से होगा, जबकि स्पेन दक्षिण कोरिया से भिड़ेगा। जिससे इस ग्रुप से क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली टीमों का निर्धारण होगा। उधर ग्लास्गो में नीदरलैंड ने ब्रिटेन को 2-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। इससे ग्रुप डी से अमेरिका की भी अंतिम आठ में जगह पक्की हो गई। ग्रुप सी से जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। जर्मनी ने बेल्जियम को 2-1 से हराया जबकि ग्रुप ए में इटली ने अर्जेंटीना को इसी अंतर से पराजित किया।

फ्रांसीसी फुटबॉलर पॉल पोग्बा के भाई और 4 अन्य लोगों पर रंगदारी वसूलने का आरोप

पेरिस । फ्रांस के सितारा फुटबॉलर पॉल पोग्बा के भाई और 4 अन्य लोगों पर जबरन रंगदारी वसूली का आरोप लगा है। वर्तमान में जुवेंटस के लिए खेलने वाले पॉल पोग्बा से कथित जबरन वसूली के प्रयास के संबंध में उनके छोटे भाई माथियास पोग्बा सहित 5 लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया था। शनिवार को सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां उनके ऊपर जबरन वसूली का मुकदमा दर्ज किया जाएगा। पॉल पोग्बा ने आरोप लगाया था कि उनके भाई, और 'बचपन के दोस्त', एक समूह का हिस्सा थे, जिन्होंने उन्हें ट्यूरिन में निशाना बनाया, और बीते 13 सालों में 'सुरक्षा सेवाओं' के लिए 11 मिलियन पाउंड स्टर्लिंग की मांग की। पॉल पोग्बा ने मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए एक वरिष्ठ खिलाड़ी के रूप में दो सत्रों में 157 मैच खेले। इसके साथ ही उन्होंने अपने युवा करियर के बाद के समय को ओल्ड ट्रैफर्ड में बिताया है। मैनचेस्टर युनाइटेड के साथ कॉन्ट्रैक्ट समाप्त होने के बाद 2018 विश्व कप विजेता टीम के खिलाड़ी रहे इस गर्मी में जुवेंटस चले गए। उन्होंने सीरी ए क्लब के साथ चार साल का करार किया है। पॉल पोग्बा ने दावा किया कि मार्च में पेरिस में जब वह अंतरराष्ट्रीय दौरे पर थे, उस वक्त गिरोह की तरफ से उन्हें धमकियां मिली थीं। इतना ही नहीं, धमकी के बाद 'समय बचाने' के मकसद से उन्होंने कथित तौर पर 85,000 पाउंड स्टर्लिंग का भुगतान भी किया था।

टी20 में गेम चेंजर साबित हो सकता है सुपर-सब का नियम : रवि शास्त्री

कोलकाता ।

कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में भारतीय महाराजाओं और टीम वर्ल्ड जायंट्स के बीच एक विशेष मैच के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत हो गई। इस लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) में पहली बार एक सुपर-सब नियम लागू किया गया है। अद्वितीय नियम में कहा गया है कि प्रत्येक टीम के लिए एक 'सुपर विकल्प' उपलब्ध होगा, जिसका उपयोग वे मैच की किसी भी पारी में 10 ओवर पूरे होने के बाद कर सकते हैं। हालांकि, टीमों को खेल शुरू होने से पहले इन 'सुपर-सब' खिलाड़ियों के नाम की घोषणा करनी होगी। लीजेंड्स लीग क्रिकेट के कमिश्नर रवि शास्त्री को लगता है कि इस नियम का लागू होना गेम चेंजर हो सकता है। भारत के पूर्व कोच का कहना है कि भविष्य में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इस नियम का इस्तेमाल किया जा सकता है। भारत के पूर्व ऑलराउंडर ने कहा मैं इस खेल को विकसित होते देख रहा हूं। कौन जानता है कि कल यह कुछ ऐसा हो सकता है जिसका उपयोग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी किया जाता है। आश्चर्यचकित न हों क्योंकि यह एक ऐसा प्रारूप है, जो विकसित हो सकता है, खासकर ऐसे टूर्नामेंट में जहां कुछ नियम बाध्य नहीं हैं। आप इस तरह के टूर्नामेंट में या यहां तक कि आईपीएल या बिग बैश में अपने नियम बना सकते हैं। टूर्नामेंट का लीग चरण 17 सितंबर से शुरू होगा और इसमें चार टीमें शामिल होंगी, जिसमें गुजरात जायंट्स, इंडिया कैपिटल्स, मणिपाल टाइगर्स और भीलवाड़ा किंग्स शामिल हैं। छह स्थानों पर 16 मैचों में लगभग 90 महान क्रिकेट खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। एलएलसी और टूर्नामेंट में अपनी भूमिका के बारे में बोलते हुए शास्त्री ने कहा यह एक शानदार अवसर है। मैं दुनिया के विभिन्न हिस्सों में खेल को बढ़ावा देने के लिए और काम करने के लिए हमेशा तैयार रहता हूं।

मुंबई एमिरेट्स टीम के हेड कोच बने शेन बॉन्ड, रोबिन सिंह, पार्थिव पटेल और विनय भी जुड़े

नई दिल्ली । आईपीएल और दूसरी लीग की सफलता के बाद अब यूएई और दक्षिण अफ्रीका में भी इसी तरह की टी20 लीग शुरू होने वाली है। यूएई में होने वाली टी20 लीग में एमआई एमिरेट्स टीम भी हिस्सा लेगी। इस टीम से मुंबई इंडियंस के मौजूदा और पूर्व खिलाड़ियों को जोड़ा गया है। अब टीम के कोचिंग स्टाफ का भी ऐलान हो गया है। न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज शेन बॉन्ड को एमिरेट्स का हेड कोच बनाया गया है। वहां फिलहाल, मुंबई इंडियंस के बॉलिंग कोच हैं, शेन इस जिम्मेदारी के साथ एमआई एमिरेट्स के हेड कोच की भूमिका भी निभाएंगे। इस कोचिंग टीम में मुंबई इंडियंस के लिए नए टैलेंट की सर्च करने वाले पार्थिव पटेल और विनय कुमार को भी जोड़ा गया है। पार्थिव मुंबई एमिरेट्स टीम के बैटिंग कोच बने हैं, जबकि विनय गेंदबाजी कोच का रोल निभाएंगे। मुंबई इंडियंस के पूर्व ऑलराउंडर जेम्स फ्रेंकलिन को फील्डिंग कोच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और यूएई क्रिकेट टीम के कोच रॉबिन सिंह भी एमआई एमिरेट्स का हिस्सा बने हैं। उन्हें इस फ्रेंचाइजी का जनरल मैनेजर क्रिकेट बनाया गया है। बता दें कि बॉन्ड 2015 में मुंबई इंडियंस से जुड़े थे और इसके बाद से टीम ने 4 खिताब जीते हैं और इन सालों में इस तरह गेंदबाजों को तैयार किया कि उन्हें वैश्विक स्तर पर अपनी क्षमता का एहसास हुआ। रॉबिन सिंह 2010 में मुंबई इंडियंस की कोचिंग टीम में शामिल हुए थे और तब से 5 आईपीएल और 2 चैंपियंस लीग खिताबी अभियान का हिस्सा रहे हैं।उन्होंने शेन बॉन्ड के साथ भी काम किया है। मुंबई एमिरेट्स का कोचिंग स्टाफ फाइनल होने पर रिलायंस जियो के चेयरमैन आकाश अंबानी ने कहा, 'मैं शेन,रॉबिन, पार्थिव, विनय और जेम्स को मुंबई एमिरेट्स में उनकी नई भूमिका के लिए स्वागत करता हूं। यह सभी बीते कुछ सालों में अलग-अलग समय के लिए मुंबई इंडियंस का अभिन्न हिस्सा रहे हैं। इसके बाद यह कोचिंग टीम उन मूल्यों से अच्छे से वाकिफ है, जिसके दम पर मुंबई इंडियंस टीम इस मुकाम तक पहुंची है। मुझे पूरा यकीन है कि यह सभी एमआई एमिरेट्स को ऐसी टीम के रूप में बनाने में सक्षम होने वाले हैं।

अपने साथियों के साथ प्रतिस्पर्धा करूं, तब मैं अपने देश को नीचा दिखाता हूं : सैमसन

नई दिल्ली । संजू सैमसन का प्रदर्शन टी20 में काफी बेहतर रहा है। हालांकि पिछले दिनों घोषित हुई टी20 वर्ल्ड कप टीम में उन्हें जगह नहीं मिली। इसके बाद फैंस ने चयनकर्ता से लेकर बीसीसीआई तक पर नाराजगी जाहिर की थी। केएल राहुल और ऋषभ पंत के प्रदर्शन को लेकर सवाल उठ रहे थे। इस बीच सैमसन ने टीम इंडिया में नहीं चुने जाने पर पहली बार अपनी बात रखी है। संजू ने पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा से बात कर कहा, सोशल मीडिया पर इसकी काफी चर्चा चल रही है कि केएल राहुल की जगह संजू सैमसन को या ऋषभ पंत की जगह संजू को लेना चाहिए। मेरी सोच बहुत स्पष्ट है, केएल और पंत दोनों ही मेरी अपनी टीम के लिए खेलते हैं। अगर मैं अपने ही साथियों के साथ प्रतिस्पर्धा करता हूं, तब मैं अपने देश को नीचा दिखा रहा हूं। संजू ने कहा कि मुझे इसकी खुशी है कि मैं 5 साल बाद टीम इंडिया में वापसी करने में सफल रहा। टीम उस समय भी नंबर-1 थी और आज भी नंबर-1 पर है। टीम के पास क्वालिटी के खिलाड़ी हैं। इसके बाद टीम में जगह बनाना आसान नहीं है। उन्होंने कहा कि जो भी खिलाड़ी खेल रहे हैं, वहां मेरी ही टीम के हैं। इसके बाद सबका ध्यान अच्छे प्रदर्शन पर रहता है।

टी20 क्रिकेट में 11000 रन के आंकड़े से मात्र 98 रन दूर हैं विराट कोहली

नई दिल्ली ।

एशिया कप में धमाकेदार प्रदर्शन कर फॉर्म हासिल करने के बाद भारतीय स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की निगाहें टी20 वर्ल्ड कप से पहले कुछ और रन बनाने पर होंगी। अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले वर्ल्ड कप से पहले भारत को घरेलू सरजमीं पर ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन-तीन मैच की टी20 सीरीज खेलनी है। इन सीरीज में विराट कोहली के निशाने दो बड़े रिकॉर्ड होंगे। एक रिकॉर्ड में वह कोच रोहित शर्मा को पछाड़ेंगे, वहीं दूसरे रिकॉर्ड में वह कप्तान रोहित शर्मा से बड़ा मुकाम हासिल करेंगे। विराट कोहली टी20 क्रिकेट में 11000 रन के आंकड़े से मात्र 98 रन दूर है। अगर आगामी सीरीज में वह यह रन बना लेते हैं तो वह ऐसा करने वाले पहले भारतीय बन जाएंगे। कोहली के नाम क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में 40.37 की औसत के साथ 10902 रन दर्ज हैं। कोहली ने टी20 क्रिकेट में अभी तक 349 मैच खेले हैं, इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 132.95 का रहा है। वहीं बात रोहित शर्मा की करें तो वह इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की सूची में 10470 रनों के साथ दूसरे पायदान पर हैं। टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में विराट कोहली इस समय क्रिस गेल (14562), शोएब मलिक (11893) और किरोन पोलार्ड (11829) के बाद चौथे पायदान पर हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में विराट कोहली 24002 रनों के साथ 7वें पायदान पर हैं। अगर कोहली

ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के खिलाफ आगामी सीरीज में 207 रन बनाने में कामयाब रहते हैं तो वह राहुल द्रविड़ का रिकॉर्ड तोड़ 6ठें पायदान पर पहुंच जाएंगे। द्रविड़ के नाम इंटरनेशनल क्रिकेट में 509 मैचों में 24208 रन दर्ज है। वहीं सचिन तेंदुलकर 34357 रनों के साथ इस सूची में टॉप पर हैं।

भारतीय पत्रकार के सवाल भड़के पीसीबी चीफ रमीज राजा बोले- जानबूझ कर मुझे उकसाया

नई दिल्ली । एशिया कप-2022 के फाइनल मुकाबले में पहुंचने के बाद श्रीलंका ने पाकिस्तान को 23 रन से शिकस्त दी जिसके चलते वह इस हार को पचा नहीं पा रहा है। इसके बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चीफ रमीज राजा और एक भारतीय पत्रकार की बातचीत का वीडियो वायरल हो गया। रमीज राजा ने कथित तौर पर भारतीय पत्रकार के सवाल पर भड़क गए थे। अब उन्होंने इस पूरे मामले पर सफाई दी है। रमीज राजा ने एक यूट्यूब शो पर कहा, 'मैं आपको बताता हूं। उनके जो प्रश्न थे, जो लाइन थे वो बिलकुल ठीक नहीं था। मेरे यह पूछने का प्वाइंट यह था कि वो कह रहे कि पूरी जनता बड़ी नाराज है। तो मैंने कहा कि आपको कैसे पता है कि पूरी पाकिस्तानी लोग इस टीम से नाराज हैं। क्यूंकि आप 2000 मील दूर बैठे हुए हैं ना। ये भड़काने वाली बातें होती हैं। प्वाइंट यह है कि अगर आपका दिल साफ है और एक क्रिकेट मैच हो रहा तै तो यह चीज सामने नहीं आनी चाहिए। लेकिन जाने दीजिए, यह एक हादसा था, वो हो गया।' एशिया कप 2022 के फाइनल के बाद जब भारतीय पत्रकार ने रमीज राजा से पूछा, 'क्या पाकिस्तान की आवाम हार से दुखी हैं, आप उन्हें क्या संदेश देंगे?' इस सवाल पर ही रमीज भड़क गए। उन्होंने भारतीय पत्रकार से कहा, 'आप इंडिया से होंगे? आप तो बड़े खुश होंगे..? इतना ही नहीं रमीज राजा कुछ कदम आगे बढ़े और वह सवाल पूछने वाले पत्रकार का मोबाइल फोन भी छीनते दिखें। ट्विटर पर यह वीडियो वायरल हो गया। रमीज राजा पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर भी रहे हैं। उन्होंने पाक टीम की तरफ से 57 वनडे और 198 वनडे इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं। कुछ महीने पहले उन्हें पीसीबी चेयरमैन के पद से हटाए जाने की चर्चा में थी।

पीएम मोदी के जन्म दिवस पर 'स्टूडेंट स्टार्टअप, रिसर्च एंड इनोवेशन फेस्टिवल' की शुरुआत

अहमदाबाद (ईएमएस)7 मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि देश के आर्थिक विकास में स्टूडेंट स्टार्टअप्स का भी महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि सरकार स्टूडेंट स्टार्टअप क्षेत्र में हर तरह का सहयोग देने को कटिबद्ध है। अहमदाबाद में शनिवार को शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित 'स्टूडेंट स्टार्टअप, रिसर्च एंड इनोवेशन फेस्टिवल' का उद्घाटन करते हुए उन्होंने यह बात कही। 17 सितंबर से 15 अक्टूबर के दौरान राज्य के 175 शैक्षणिक संस्थानों में आयोजित होने वाले 'स्टूडेंट स्टार्टअप, रिसर्च एंड इनोवेशन फेस्टिवल' का मुख्य उद्देश्य अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में गुजरात को तेजी से आगे बढ़ाना और आत्मनिर्भर भारत के लिए युवाओं का सशक्तिकरण करना है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि जनप्रिय जननायक, युवा शक्ति के प्रेरणास्रोत और वैश्विक नेता नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर स्टूडेंट स्टार्टअप, रिसर्च एंड इनोवेशन फेस्टिवल का शुभारंभ हुआ है। आज का दिन हम सभी के लिए एक ऐतिहासिक और यादगार दिवस भी बना है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि इनोवेशन यानी नवाचार क्षेत्र में सरकार की ओर से ऐसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे साधारण विद्यार्थी को भी अपने विचार को ग्लोबल मार्केट तक ले जाने में मदद मिल रही है। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी का ही स्वप्न है कि विद्यार्थी को एक ग्लोबल मार्केट मिले ताकि वह देश की विकास यात्रा में भागीदार बने और आज यह स्वप्न सार्थक हो रहा है। स्टार्टअप क्षेत्र की बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के आर्थिक विकास में स्टूडेंट

स्टार्टअप का भी काफी महत्व है। आज साधारण विद्यार्थी को भी किसी भी तरह की आर्थिक कठिनाई होने पर सरकार उसे मदद करती है और उसे मार्केट तक ले जाने में सहयोग भी देती है। इस वजह से ही गुजरात स्टार्टअप रैंकिंग में लगातार तीन वर्षों से पहले पायदान पर कायम है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि गुजरात ने हाल ही में सेमीकंडक्टर नीति की घोषणा की है। आने वाले समय में गुजरात सेमीकंडक्टर चिप का हब बनने जा रहा है। सेमीकंडक्टर बनाने वाली कंपनियों के साथ एमओयू भी हो चुके हैं। सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री के कारण गुजरात के 1 लाख युवाओं को रोजगार प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यंग इंडिया के सहयोग से न्यू इंडिया के निर्माण का सपना देखा है। अब युवाओं को चाहिए कि वे स्टार्टअप, इनोवेशन और रिसर्च के क्षेत्र में आगे बढ़कर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें। मुख्यमंत्री ने युवाओं से अनुरोध किया कि वे अपने कौशल, प्रतिभा और टीम भावना के जरिए न्यू इंडिया के प्रधानमंत्री के स्वप्न को साकार करने का प्रयास करें।

शिक्षा मंत्री जीतूभाई वाघाणी ने कहा कि दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय और शक्तिशाली नेता तथा हमारे दूरदर्शी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपना जन्म दिवस हमेशा जनसेवा के कार्य कर और जनता के साथ रहकर ही मनाया है। उनसे प्रेरणा लेकर राज्य का शिक्षा विभाग भी आज इस शुभ दिवस पर 'विश्वास से विकास यात्रा' के अंतर्गत 'स्टूडेंट स्टार्टअप, रिसर्च एंड इनोवेशन फेस्टिवल' नामक अनोखे फेस्टिवल की शुरुआत करने जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे लोकप्रिय प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन के तहत राज्य के ऊर्जावान मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में आज राज्य के विकास की गति तेज बनी है। आज डबल इंजन की सरकार सभी क्षेत्रों में छोटे-बड़े हर तरह के जनहितकारी निर्णय लेकर विभिन्न लोकोपयोगी योजनाओं के साथ जन कल्याण के लिए प्रयासरत है। वाघाणी ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 20 वर्षों में पारदर्शी और सुदृढ़ नीतियों के माध्यम से गुजरात ने विकास के क्षेत्र में असाधारण ऊंचाई हासिल की है। राज्य सरकार ने गत 20 वर्षों में विश्वास से विकास के सूत्र को सच्चे अर्थों में सार्थक किया है। हमारे दूरदर्शी प्रधानमंत्री ने भविष्य की मांग को परखते हुए अपने मुख्यमंत्रित्व काल के दौरान से ही अनुसंधान और नवाचार पर जोर दिया था। इसके चलते आज राज्य सरकार ने 'माइंड टू मार्केट' सूत्र के साथ युवाओं के आइडिया और स्टार्टअप को योग्य प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने के लिए एसएसआईपी 2.0 (स्टूडेंट स्टार्टअप एंड इनोवेशन पॉलिसी 2.0) लॉन्च की है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप अगले पांच वर्षों के लिए 500 करोड़ रुपए के प्रावधान के साथ एसएसआईपी 2.0 को लॉन्च किया जाएगा। इस नीति का मुख्य उद्देश्य देश के युवाधन का आत्मविश्वास बढ़ाकर उनके शोध और विचार बीज को आर्थिक एवं अन्य सहायताओं के जरिए योग्य दिशा एवं माध्यम प्रदान करना है।

1.75 लाख पौध रोपण कर एएमसी ने पीएम मोदी को जन्म दिन पर बड़ी भेंट दी : मुख्यमंत्री

अहमदाबाद । अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन यानी AMC(अहमदाबाद महानगर पालका यानी अहमदाबाद मनपा) द्वारा शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस पर 'हरियाला अहमदाबाद' के संकल्प के साथ 'मिशन मिलियन ट्रीज़' के अंतर्गत पिराणा डम्प साइट के निकट वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने पेड़ लगा कर एएमसी के इस अभियान का शुभारंभ कराया। इस अवसर पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सभी उपस्थित लोगों को प्रधानमंत्री के जन्म दिवस की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं और कहा कि एएमसी ने अधिक ऑक्सीजन देने वाले 1 लाख 75 हज़ार पेड़ लगा कर प्रधानमंत्री को उनके जन्म दिवस पर एक बड़ी भेंट दी है। पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक विज़नरी नेता हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, "मोदी ने गुजरात में अपने मुख्यमंत्रित्व काल में जिस सेवा यज्ञ तथा विकास यात्रा का शुभारंभ कराया था, उसे हम तीव्र गति से आगे बढ़ा रहे हैं।" मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी ने कोरोना महामारी के दौरान ऑक्सीजन तथा प्रकृति का महत्व अधिक बेहतर ढंग से समझा है। प्राकृतिक संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। पटेल ने कहा कि क्लाइमेट की चिंता करते हुए नरेन्द्र मोदी ने गुजरात में मुख्यमंत्री रहते हुए वर्षों पहले अलग क्लाइमेट चेंज विभाग आरंभ किया था। प्रधानमंत्री ने 'बैट टुक बेज़िक' का मंत्र दिया है। हम सभी साथ मिल कर प्रकृति का शोषण रोकते हुए प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने के प्रयास करेंगे। यहाँ उल्लेखनीय है कि एएमसी द्वारा 'हरियाला अहमदाबाद' के संकल्प के साथ 'मिशन मिलियन ट्रीज़' के अंतर्गत पिराणा डम्प साइट पर 1 लाख 75 हज़ार पेड़ लगा कर ऑक्सीजन पार्क तैयार किया जाएगा। इस कार्यक्रम में अहमदाबाद के महापौर किरीट परमार, उप महापौर श्रीमती गीताबेन पटेल, सांसद किरीट सोलंकी, अहमदाबाद मनपा आयुक्त लोचन सेहरा, स्थानीय विधायक, मनपा पदाधिकारी, पार्षद, अधिकारी तथा बड़ी संख्या में नगरजन उपस्थित थे।

सूरत भूमि, सूरत। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्म दिवस के उपलक्ष में तेरापंथ युवक परिषद द्वारा 60 से अधिक रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया था जिसमें से कई रक्तदान शिविर सूरत में आयोजित थे। इस रक्तदान शिविर में कुल 4 हजार से अधिक रक्त एकत्रित किया गया था। इस कार्य में तेरापंथ युवक परिषद सूरत के साथ राष्ट्रीय जैन महिला संघ भी शामिल थे। राष्ट्रीय जैन महिला संघ की अध्यक्ष रजनी जैन ने बताया कि पीएम मोदी के जन्म दिवस के उपलक्ष में लोगों को रक्तदान के लिए प्रोत्साहित किया गया।

सराक का अर्थ है श्रोता

सूरत भूमि, सूरत। इ.स. 2000 में कालीकुंड तीर्थद्वारक पूज्य जैनाचार्य राजेंद्रसूरीश्वरीजी महाराज ने कालीकुंड (ढोलका) से लगभग 2000 किलोमीटर दूर समेतशिखरजी महातीर्थ के लिए पदयात्रा या विहार किया। 250 से अधिक भिक्षु, भिक्षुणियाँ और लगभग 1000 श्रोता थे। संघ की समाप्ति के बाद शिखरजी तीर्थ में चातुर्मास किया गया। उसी समय पूज्यश्री को सराक परिवारों के बारे में जानकारी मिली। तब से यह काम आंशिक रूप से शुरू हो गया है।

इ.स. 2009 में इस कार्य में तेजी लाने के लिए पूज्य जैनाचार्य राजपरमसुरीजी महाराज और मुनिश्री राजधर्म विजयजी को उन गांवों में भेजा गया। इन सराक लोगों की गतिविधि को देखकर पता चला कि यह जैन धर्म के रंग से रंगे लोग हैं। केवल महात्मा और मंदिर उससे जुड़े नहीं हैं। इस सराकप्रजा की विशेषता क्या है? पूज्य राजपरमसुरिजी महाराज और पूज्य राजधर्म विजयजी महाराज ने यह बताया कि.. बंगाल, बिहार, झारखंड और उड़ीसा में जनसंख्या सराक है। चूंकि पश्चिम बंगाल में 'व' का उच्चारण नहीं किया गया था, श्रावक में से 'श्राक' बन गया और अपभ्रंश से 'सराक' बन गया।

जैन धर्म के संस्कारों में डूबे ये लोग मांसाहारी संस्कृति के बीच रहकर भी शुद्ध शाकाहारी भोजन करते हैं। उनकी रगों में प्रेम, प्रसन्नता, सरलता और सहकारिता प्रवाहित होती है। सेवा को परिवार या अपने गांव तक ही सीमित नहीं, बल्कि देश के लिए भी, जिन्होंने अभूतपूर्व योगदान दिया है। रक्षा में तैनात कई युवा भी इसी सराक समुदाय के हैं। ये सराक प्रजा जिनके गोत्र भी आदिदेव, धर्मदेव, अनंतदेव, गौतम, कश्यप आदि तीर्थंकर और गणधर भगवंत के नाम पर हैं। चूंकि ये लोग मूर्तिकला की कला में कुशल थे, इसलिए उन्होंने उस समय कई मंदिरों का निर्माण किया। इन क्षेत्रों में अतीत में जैनियों की संख्या कितनी बड़ी थी, यह वहां मिली प्राचीन मूर्तियों, मूर्तियों और मंदिरों के अवशेषों से निर्धारित होता है। आज भी ऐसे स्थान हैं जहाँ 3.4 फीट की खुदाई की जाए, तो जैन मूर्तियाँ बड़ी संख्या में पाई जाती हैं, जिससे

पता चलता है कि यहाँ जैनियों की संख्या अधिक होगी।

हालांकि आज भी इन जैनियों की संख्या लाखों में है। सराक लोगों के आर्थिक, धार्मिक और सर्वांगीण उत्थान के लिए इस वर्ष सूरत में इस मिशन सरक सेमिनार का आयोजन किया गया है। 18-09-2022 रविवार को रामपावन भूमि में किया गया। संगोष्ठी में सूरत स्थित सभी जैनाचार्य भगवंत और साध्वीजी भगवंत शामिल होंगे। इस संगोष्ठी में लगभग 7000 श्रद्धालु शामिल होंगे।

गुजरात में कांग्रेस की सरकार बनी तो पुरानी पैंशन योजना लागू करेंगे : जगदीश ठाकोर

अहमदाबाद। गुजरात चुनाव निकट आते ही राज्य में अपनी अपनी मांगों को लेकर कर्मचारियों के आंदोलन तेज हो गए हैं। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) कर्मचारियों को रिझाने के लिए मैदान में उतर आई हैं। आप ने पुरानी पैंशन योजना को लेकर राज्य सरकार को 15 दिन का अल्टीमेटम दिया है। वहीं कांग्रेस ने गुजरात में सत्ता पर आने के बाद पुरानी पैंशन योजना लागू करने का कर्मचारियों से वादा किया है। गुजरात कांग्रेस प्रमुख जगदीश ठाकोर ने आज इस मुद्दे पर कहा कि पुरानी पैंशन योजना कर्मचारी के परिवार की सामाजिक जिम्मेदारी के लिए है। पैंशन के लिए रकम भी नौकरी के दौरान ही सरकार काटती है। पुरानी योजना के मुताबिक पिछले वेतन के 50 प्रतिशत पैंशन मिलती है। नई पैंशन योजना के मुताबिक कम पैंशन मिलती है। आखिर वर्ष 2005 के पहले और 2005 के बाद के कर्मचारियों का अलग अलग क्यों कर रही है? जगदीश ठाकोर ने कहा कि 2017 के पेटर्न से 2022 के चुनाव के लिए सरकार काम कर रही है और कर्मचारी पुरानी पैंशन योजना लागू करने की मांग कर रहे हैं। राजस्थान और छत्तीसगढ़ जैसे राज्य यह योजना लागू कर चुकी है, परंतु गुजरात जैसा विकसित राज्य पुरानी पैंशन योजना लागू करने से क्यों भाग रही है? उन्होंने आश्वासन दिया कि 2022 में कांग्रेस की सरकार बनते ही पुरानी पैंशन योजना लागू की जाएगी। फिक्स सैलरी सिस्टम भी गलत है, इसमें भाजपा के बिचौलियों को मलाई मिल रही है। अगर आगामी चुनाव में कांग्रेस की सरकार बनती है तो कोन्ट्रेक्ट और आउटसोर्सिंग सिस्टम खत्म कर देंगे।

द ग्रैंड शॉप्सी मेला से लाखों ग्राहकों को मिली खुशियां अपार, आगामी त्योहारी सीज़न से पहले शॉप्सीर ने दर्ज करायी जबर्दस्त बढ़त

बेंगलुरु । किफायती ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म शॉप्सी ने हाल में अपने पहले मैगा शॉपिंग कार्निवाल - द ग्रैंड शॉप्सीत मेला का 3-11 सितंबर, 2022 के दौरान सफल आयोजन किया। सेल के दौरान शॉप्सी2 को भारत से काफी उत्साक्ही भागीदारी का लाभ मिला और देशभर के स्थोनीय विक्रेताओं तथा ब्रैंड्स पहली बार एकजुट हुए तथा लाखों ग्राहकों के लिए खरीदारी के बेहतरीन अनुभव जुटाए। इसके अलावा,शॉप्सीह अपने ग्राहकों के लिए, खासतौर से टियर 2 एवं टियर 2 मार्केट्स में, आगामी द बिग बिलियन डेज़ 2022 के दौरान पैसों का पूरा मोल प्रदान करने वाले प्रोडक्ट्स उपलब्धं कराएगा।

आदर्श मेनन, सीनियर वाइस प्रेसीडेंट एवं हैड – न्यूर बिज़नसेज़, फ्लिपकार्ट ने कहा,ज्ज्हम ग्रैंड शॉप्सीम मेला के पहले एडिशन को देशभर में, खासतौर से टियर 2 एवं अन्य, शहरों से मिले रिस्पॉमन्सल से बेहद खुश हैं। मेले के दौरान शॉपिंग करने वाले 64ब्रग्राहक टियर 2 एवं अन्यय शहरों से थे। साथ ही, हम देश के दक्षिणी और पश्चिमी भागों में भी शॉप्सी की बढ़त से उत्सा हित हैं, जो कि क्रमश: 1.4X और 1.5Xरही। इससे शॉप्सीी की देशव्यापी लोकप्रियता और हमारी सेवाओं के प्रति ग्राहकों के भरोसे का पता चलता है। हमने देशभर में हजारों स्वेीशी विक्रेताओं और ब्रैंड्स के लिए आगे बढ़ने के अवसर उपलब्धङ्क कराने के साथ-साथ पूरे इकोसिस्टओम को भी आगे बढाया है।

पूरे नौ दिनों तक चलने वाले इस इवेंट में देशभर से ग्राहकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सास लिया और महिलाओं के जत्थे खरीदारी में आगे रहे। सबसे ज्यादहा बिक्री हैडफोन्सस, टी-शर्ट्स, शूज़, एथनिक वियर, बैडशीट्स जैसी श्रेणियों में दर्ज की गई। इस अवधि में शॉप्सीी पर नए ग्राहकों की संख्याम में 1.2Xवृद्धि हुई जबकि विक्रेताओं की संख्याग 13Xबढ़ी। इवेंट के दौरान नए विक्रेताओं द्वारा बेची गईं यूनिटों में भी, जिनमें मुख्यख रूप से महिलाओं के एथनिक और वेस्ट र्न वियर शामिल थे, 2Xबढ़त दर्ज की गई। ग्राहकों की अपेक्षाओं को गहराई से समझकर तथा टैक्नोयलॉजी की क्षमताओं का लाभ उठाते हुए, शॉप्सीक ने एक रिकमन्डैशन इंजन भी स्थामपित किया है जो ग्राहकों को उनकी रुचियों के अनुरूप प्रोडक्ट्सॉ डिस्क वरी में मदद करता है, इस पहल के चलते यूनिटों की बिक्री में 2.6Xबढ़त हुई। इसके अलावा, एक उन्नत फिल्ट्र, विकल्प भी लागू किया गया है जिससे इस फीचर का इस्तेहमाल करने वाले यूज़र्स को क्राउलिटी, मैटिरियल टाइप तथा डिस्का उंट स्लैब्सच जैसी कसौटियों के आधार पर बेहतर यूज़र शॉपिंग अनुभव मिलता है।

शॉप्सी का मकस ग्राहकों के लिए किफायती कीमतों पर आकर्षक प्रोडक्ट्स की बेहतरीन रेंज उपलब्धस कराते हुए वैल्यू -बेस्ड और भरोसमं प्लेटफार्म के तौर पर अपनी पहचान को और मजबूत बनाना है। इसने ऐसी कम्युनिटी तैयार करने का प्रयास किया है जो देशभर में कॉमर्स के स्तबर पर सभी के लिए समान अवसर उपलब्ध करा सके। जुलाई 2021 में लॉन्च के बाद से ही शॉप्सीन का मकसदजीरो-कमीशन मार्केटप्लेस के तौर परडिजिटल कॉमर्स को देशभर में सभी के लिए सुलभ बनाना रहा है। आज शॉप्सीी भारतभर में 800+से अधिक श्रेणियों में 150 मिलियन प्रोडक्ट्स उपलब्ध कराता है।

तेरापंथ युवक परिषद सूरत द्वारा 60 रक्तदान शिविरों में 4000 से अधिक रक्त एकत्रित किया गया

सूरत भूमि, सूरत। तेरापंथ युवक परिषद सूरत द्वारा 17 सितंबर 2022 विश्व के सबसे बड़े रक्तदान अभियान में सूरत सूरत के बाहर एवं विदेशों में 60 से अधिक रक्तदान शिविर लगाकर 4000 से अधिक रक्त एकत्रित किया। रक्तदान शिविर अभी भी गतिमान है।

रक्तदान शिविर का आयोजन मार्केट विस्तार में सूरत की सबसे बड़ी डेयरी उत्पादन करने वाली संस्था सुमुल डेयरी, एसबीआई हेड ऑफिस, जीएसटी ऑफिस, धर्मानंद डायमंड, गलो स्टार डायमंड,चॉइस डायमंड आईटीसी बिल्डिंग मजूरा गेट पर रक्तदान शिविरों का आयोजन किया। तेरापंथ युवक परिषद अध्यक्ष श्री अमित सेठीया ने जानकारी दी कि इस अभियान में एम बी डी डी प्रभारी, सह प्रभारी सहयोगी एवं संपूर्ण कार्यकारिणी का विशेष सहयोग रहा।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)